दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, राय
नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पुण्यतिथि पर नमन

सावित्रीबाई फुले : सामाजिक क्रांति की योद्धा

- आज ही के दिन 1897 में देश की पहली महिला टीचर सावित्रीबाई फुले का निधन हुआ था।
- सावित्रीबाई का जन्म 03 मार्च 1831 को महाराष्ट्र के सतारा के नायगांव में एक किसान परिवार में हुआ था।
- उन्हें देश में महिला शिक्षा की अगुआ कहा जाता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन महिला कल्याण में लगा दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति बने

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आज राष्ट्रपति पद के चुनाव में आसिफ अली जरदारी ने जीत हासिल की है। जरदारी पाकिस्तान के 14वें राष्ट्रपति बन गए हैं। उन्होंने इमरान खान के कैंडिडेट महमूद खान अचकजई को 230 वोटों से हराया। जरदारी को 411 वोट मिले, जबकि अचकजई सिर्फ 118 वोट हासिल कर पाए। नवाज की पार्टी PML-N और बिलावल की पार्टी PPP ने मिलकर जरदारी को उम्मीदवार बनाया था। वे साल 2008 में भी राष्ट्रपति बने थे। वहीं, इमरान समर्थक SIC पार्टी ने अचकजई को राष्ट्रपति उम्मीदवार बनाया था। राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करते हुए पाकिस्तान नेशनल असेंबली के कुछ सदस्यों ने इमरान खान जिंदाबाद के नारे लगाए। हालांकि जरदारी का राष्ट्रपति बनना पहले से तय माना जा रहा था।

ईडी द्वारा संपत्तियों की कुर्की राजनीति से प्रेरित: रोहित पवार

मुंबई। महाराष्ट्र के विधायक एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा उनकी कंपनी बारामती एग्रो लिमिटेड के स्वामित्व वाली चीनी मिल की संपत्ति को कुर्क करने की कार्रवाई राजनीति से प्रेरित है तथा यह पूरी तरह 'गलत' और 'अवैध' है। ईडी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा था कि औरंगाबाद के कन्नड़ गांव में स्थित कन्नड़ सहकारी साखर कारखाना लिमिटेड (कन्नड़ एसएसके) की 161.30 एकड़ जमीन, संयंत्र, मशीनरी एवं भवन को धनशोधन रोकथाम अधिनियम के तहत अंतरिम रूप से कुर्क किया गया है।

किसान आज देशभर में रोकेंगे रेल

नई दिल्ली। किसानों और केंद्र सरकार के बीच कई दौर की बातचीत के बावजूद सहमति नहीं बन सकी है। अब किसान रविवार को देश भर में ट्रेनों को रोकेंगे। रेल रोको अभियान में महिला किसान भी शामिल होंगी। इसके तहत अकेले पंजाब में 52 स्थानों पर ट्रेनों को रोका जाएगा। किसान आंदोलन के 26वें दिन संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल का कुछ फसलों पर एमएसपी देने के बयान को पूरी तरह से भ्रामक बताते हुए कहा कि यह वही प्रस्ताव है जिसे पिछली बैठक में किसान नेताओं ने आंदोलन की मुख्य मांग के विपरीत बताकर खारिज कर दिया था। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग की लाइन पर केवल 5 साल के लिए ही एमएसपी दे रही थी।

दो बजे दोपहर
यदि आपको
दो बजे दोपहर
अख़बार में विज्ञापन देना
हो तो संपर्क करें
9892161162

सर्राफा

चांदी (.999)	77,200
सोना स्टैंडर्ड	64,125

मौसम

	तापमान	नमी
मुंबई	33.0-27.0	56%

सूर्यास्त शनिवार 06:04 बजे
सूर्योदय रविवार 07:04 बजे

आंध्र प्रदेश में BJP का TDP-जनसेना के साथ गठबंधन

जब बीजेपी-टीडीपी साथ में थे

कुल सीटें - 25

सीटें जीती	टीडीपी	15
	बीजेपी	2
	बीजेपी+ टीडीपी	17
वोट शेयर %	टीडीपी	40%
	बीजेपी	7%
	बीजेपी+ टीडीपी	47%

2014 विधानसभा चुनाव

कुल सीटें - 175

सीटें जीती	टीडीपी	102
	बीजेपी	4
	बीजेपी+ टीडीपी	106
वोट शेयर %	टीडीपी	45%
	बीजेपी	2%
	बीजेपी+ टीडीपी	47%

6 साल पहले टूटा था गठबंधन

दोपहर संवाददाता । हैदराबाद

आंध्र प्रदेश में लोकसभा चुनाव भाजपा, तेलुगु देशम पार्टी (TDP) और जनसेना पार्टी एक साथ लड़ेगी। इसका आधिकारिक ऐलान भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर शनिवार शाम 6 बजे किया। इससे पहले दिनभर TDP के नेता रैली और मीडिया में इसका जिक्र करते रहे। TDP सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश बुरी तरह से बर्बाद हो गया है। इस गठबंधन के साथ आने से राज्य और देश को फायदा मिलेगा। वहीं, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि PM मोदी के नेतृत्व में देश और राज्य का विकास जरूर होगा। साथ ही BJP ने कहा कि एक-दो दिन में सीट शेयरिंग को लेकर भी बातचीत फाइनल हो जाएगी। अलायंस को लेकर शनिवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के आवास पर एक बैठक हुई थी। इसमें TDP सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू और जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण शामिल हुए। बाद में TDP सांसद कनकमेदाला रवींद्र कुमार ने भी बताया कि उनकी पार्टी NDA में शामिल हो रही है। दरअसल, 2018 तक TDP भाजपा की अगुआई वाले गठबंधन NDA के सबसे महत्वपूर्ण घटक दलों में से एक था।

5-6 सीटों पर उम्मीदवार उतारना चाहती है भाजपा

NDTV की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा चल रही है। आंध्र प्रदेश में 25 लोकसभा सीटें और 175 विधानसभा सीटें हैं। भाजपा चाहती है कि 8-10 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन अगर पवन कल्याण की जन सेना पार्टी भी NDA में शामिल होती है तो 5-6 सीटें भी भाजपा अपने पक्ष में ले सकती है। JSP पहले ही TDP के साथ गठबंधन कर चुकी है। उसे TDP ने तीन लोकसभा सीटें और 24 विधानसभा सीटें दी गई हैं। भाजपा चाहती है कि वाइजैग, विजयवाड़ा, अराकु, राजामपेट, राजमुंद्री, तिरुपति जैसी महत्वपूर्ण सीटों पर चुनाव लड़े।

जब दोनों अलग हुए

कुल सीटें - 25

सीटें जीती	टीडीपी	3
	बीजेपी	0
वोट शेयर %	टीडीपी	38%
	बीजेपी	1%

2019 विधानसभा चुनाव

कुल सीटें - 175

सीटें जीती	टीडीपी	23
	बीजेपी	0
वोट शेयर %	टीडीपी	39%
	बीजेपी	0.9%

2018 में क्यों टूटा था गठबंधन?

TDP ने 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले 2018 में NDA गठबंधन से अपना नाम वापस ले लिया था। आंध्र प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा न मिलने से नाराज चंद्रबाबू नायडू ने NDA सरकार से नाम वापस ले लिया था। उन्होंने गठबंधन से नाम वापस लेते हुए कहा था कि हमारा फैसला बिल्कुल सही है। केंद्र सरकार ने आंध्र के लिए अपने वादे पूरे नहीं किए। हम बजट सत्र की शुरुआत से ही संसद में मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं, पर अब तक कोई जवाब नहीं मिला।

TDP और BJP ने अलग होकर कितना नुकसान उठाया?

अगस्त 1995 में चंद्रबाबू नायडू ने NTR की सरकार गिराकर अपनी सरकार बनाई। NTR की पार्टी TDP भी दो टुकड़ों में बंटी। TDP (नायडू) का नेतृत्व चंद्रबाबू नायडू कर रहे थे। 96 के लोकसभा चुनावों के लिए नायडू की TDP अटल के नेतृत्व में NDA में शामिल हो गई। लेकिन तबसे लेकर 2009 के लोकसभा चुनाव तक संयुक्त आंध्रप्रदेश की 42 सीटों पर BJP एक भी सीट नहीं जीती। साल 2014 में TDP और BJP ने आंध्रप्रदेश में एक साथ चुनाव लड़ा। चुनाव के नतीजे आने के बाद आंध्रप्रदेश का विभाजन हो गया था। और फिर साल 2018 में TDP गठबंधन से अलग हो गई।

विधायक योगेश कदम का दावा

शिंदे गुट में आने को तैयार थे भास्कर जाधव

दोपहर संवाददाता । मुंबई

शिवसेना (शिंदे) के विधायक योगेश कदम ने दावा किया है कि शिवसेना में बगावत के समय शिवसेना (उद्धव) विधायक भास्कर जाधव भी बैग भर कर गुवाहाटी जाने के लिए तैयार थे। पर हमारे विरोध के चलते उन्हें शिंदे गुट में इंट्री नहीं मिल सकी। पूर्व मंत्री रामदास कदम के बेटे विधायक योगेश कदम ने शनिवार को कहा कि जब एकनाथ शिंदे के साथ शिवसेना के विधायक गुवाहाटी पहुंचे तो वहां शिंदे ने मुझे और उदय सामंत को एक तरफ ले जाकर पूछा कि भास्कर जाधव भी आना चाहते हैं, क्या किया जाए? उस वक्त हम दोनों ने कहा कि भास्कर जाधव जैसे व्यक्ति को अपने साथ लेना सही नहीं होगा। रामदास कदम भी उनके विरोध में थे। योगेश ने कहा कि यह व्यक्ति हमेशा से पार्टी में विवाद पैदा करता रहा है।

चुनाव आयुक्त अरुण गोयल का इस्तीफा

नई दिल्ली। चुनाव आयुक्त अरुण गोयल ने शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। चुनाव आयुक्त का इस्तीफा ऐसे वक्त आया है कि जबकि कुछ ही हफ्तों में देश में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनाव आयोग सोमवार से बुधवार तक जम्मू-कश्मीर का दौरा करेगा। यह दौरा इस बात का आकलन करने के लिए हो रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कब हो सकते हैं? सूत्रों ने बताया कि इस दौरे के तुरंत बाद लोकसभा चुनाव की तारीखें घोषित किए जाने की संभावना है। चुनवा की घोषणा गुरुवार या शुक्रवार को हो सकती है।

रेलवे पटरी पर मिला पुलिस अधिकारी का शव, सुसाइड नोट बरामद

बीड। महाराष्ट्र के बीड जिले में शनिवार सुबह रेल की पटरी पर 42 वर्षीय एक पुलिस अधिकारी का शव मिला। प्रारंभिक जांच में यह मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान पुणे अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से जुड़े निरीक्षक सुभाष भीमराव दुधल के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि इस बात का संदेह है कि दुधल ने शुक्रवार रात परली वैजनाथ रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन के सामने कूदकर अपनी जान दे दी। जीआरपी अधिकारी ने बताया कि शव दो टुकड़ों में कटा हुआ मिला। दुधल की जेब से एक हस्ताक्षरित नोट मिला, जिसमें लिखा था कि वह पारिवारिक मुद्दों के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। पुलिस को अभी तक इस बात का कोई सुराग नहीं मिला है कि दुधल ने पुणे से 300 किलोमीटर से अधिक दूर परली की यात्रा क्यों की।

कोस्टल रोड का लोग कर सकेंगे उपयोग

मंगलवार से सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक शुरू रहेगा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

आखिरकार सोमवार को कोस्टल रोड का मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदेउदघाटन करेंगे। कोस्टल रोड का उपयोग वाहन चालक मंगलवार से कर सकेंगे। कोस्टल रोड का फिलहाल उपयोग सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक वाहनों का आवागमन किया जा सकेगा। कोस्टल रोड मुंबई मनपा का सबसे महत्वपूर्ण और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। मनपा ने इस प्रोजेक्ट पर कुल 14 हजार करोड़ रुपया खर्च किया है।

एक हिस्से का निर्माण पूरा : बता दें कि कोस्टल रोड का एक हिस्से का निर्माण पूरा हो चुका है। कोस्टल रोड का दूसरे हिस्से का काम अभी शुरू होने के कारण फिलहाल कोस्टल रोड का उपयोग वाहन चालक मंगलवार से सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक कर सकेंगे। शनिवार और रविवार को फिलहाल कोस्टल रोड पर वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा।इस दौरान कोस्टल रोड के बकाया काम को पूरा किया जाएगा। कोस्टल रोड में समुद्र के नीचे बने टनल को 6 लेन का बनाया गया है जबकि अन्य जगहों पर कोस्टल रोड 8 लेन का बनाया जा रहा है।

बीजेपी के कार्यक्रम में भगदड़

एक महिला की मौत, 4 घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर शहर में शनिवार (9 मार्च) को बीजेपी की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में भगदड़ मचने से 65 वर्षीय एक महिला की मौत हो गयी और चार अन्य लोग घायल हो गए। कोतवाली थाने के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े 10 बजे रेशिमबाग के कविवर्य सुरेश भट्ट सभागार में बीजेपी की नागपुर इकाई की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में हुई। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में महाराष्ट्र भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड में पंजीकृत श्रमिकों को बर्तन और अन्य जरूरी वस्तुएं वितरित की जानी थीं। अधिकारी ने बताया कि लोग सुबह पांच बजे के आसपास ही कार्यक्रम स्थल के बाहर इकट्ठा होने शुरू हो गए और जब लाभार्थियों के लिए द्वार खोले गए तब तक भारी भीड़ जमा हो चुकी थी।

मंदिर में मिली भाभी तो सुप्रिया ने लगाया गले

मुंबई। महाराष्ट्र की बारामती लोकसभा सीट पर फैमिली फाइट से पहले सुप्रिया सुले और सुनेत्रा परिवार के गले मिलने का वीडियो सामने आया है। महिला दिवस के मौके पर दोनों की एक मंदिर में मुलाकात हो गई। फिर क्या था। जैसे ही सुप्रिया सुले ने भाभी सुनेत्रा को देखा तो आगे बढ़कर गले लगा लिया। दोनों की मुलाकात ऐसे वक्त पर हुई है जब राज्य में पहली बार बारामती की सीट पवार परिवार की फैमिली फाइट के लिए चर्चा में हैं।

लातूर में भीषण हादसा

होटल में घुसी तेज रफ्तार कार

दो लोगों की मौके पर मौत

दोपहर संवाददाता । लातूर

महाराष्ट्र के लातूर में भीषण हादसा हुआ है। औसा शहर के नजदीक हाईवे-361 पर तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सीएनजी पेट्रोल पंप के पास एक होटल में जा घुसी। इस हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही होटल में काम करने वाला एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। बता दें कि कार हैदराबाद से लातूर की ओर जा रही थी। इस बीच अचानक हाईवे पर सामने ऑटो रिक्शा आने की वजह से तेज रफ्तार कार के ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया। इससे बेकाबू कार सीधे होटल में जा घुसी। इस हादसे में कार सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं, होटल में काम करने वाले 14 साल का ओंकार कांबले गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है, इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

महायुति में मंथन > सुलझा लिए गए हैं 80 प्रतिशत मुद्दे

गठबंधन को लेकर दिल्ली में हुई सकारात्मक चर्चा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में लगी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अपने सहयोगी दलों के साथ सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत कर रही है। इसी क्रम में शुक्रवार (08 मार्च) की रात गृह मंत्री अमित शाह के आवास पर महायुति गठबंधन की एक बैठक हुई। जिसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, एनसीपी ग्रुप से अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल शामिल हुए। अमित शाह के साथ इन नेताओं की बैठक करीब ढाई घंटे तक चली। इस दौरान अमित शाह ने अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल के साथ अलग से भी बातचीत की। सीएम शिंदे के निकलने के करीब 20-25 मिनट बाद अजित पवार और प्रफुल्ल पटेल बाहर निकले। इस बैठक में फडणवीस भी मौजूद थे। शनिवार को महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए महायुति गठबंधन को लेकर दिल्ली में सकारात्मक चर्चा हुई और 80 प्रतिशत मुद्दे सुलझा लिए गए हैं।

सीटों का गणित

शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा, और भाजपा महाराष्ट्र में गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीट है। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में जिन 25 सीट पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 23 पर जीत हासिल की थी और उसकी तत्कालीन गठबंधन सहयोगी अविभाजित शिवसेना ने जिन 23 सीट पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 18 पर जीत दर्ज की थी। विपक्षी गठबंधन में शामिल अविभाजित राकांपा ने 19 सीट पर चुनाव लड़ा था और सिर्फ चार सीट जीतने में कामयाब रही थी।

20 फीसदी मुद्दों पर बातचीत जारी

फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा कि शुक्रवार की बैठक में बहुत ही सकारात्मक चर्चा हुई। मैं यह कह सकता हूं कि हमारे 80 फीसदी मुद्दे सुलझ चुके हैं और बाकी 20 फीसदी मुद्दों पर बातचीत जारी है। और मेरा मानना है कि बाकी मुद्दे भी सुलझा लिये जाएंगे और एक बेहतर गठजोड़ बनेगा।

पूर्व तहसीलदार पर आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज

2 करोड़ से अधिक है बेहिसाब प्रॉपर्टी

दोपहर संवाददाता | नवी मुंबई

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) नवी मुंबई ने कथित तौर पर 2.22 करोड़ रुपये (आय से 84.20 प्रतिशत अधिक संपत्ति) से अधिक की बेहिसाब संपत्ति अर्जित करने के लिए पूर्व तहसीलदार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया है। इस साल अब तक एसीबी ने आय से अधिक संपत्ति के तीन मामले दर्ज किए हैं, जिसमें 3.87 करोड़ रुपये की संपत्ति शामिल है।

संपत्ति की जांच करने का दिया गया था आदेश

आरोपी की पहचान एमके दलवी (49) तत्कालीन तहसीलदार (वर्तमान में निलंबित), तहसील कार्यालय, अलीबाग, रायगड़ जिले के रूप में हुई है। एसीबी के अधिकारी के मुताबिक, दलवी के खिलाफ नवंबर 2022 में अलीबाग पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (संशोधित 2018) के आरोप में मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद उनकी संपत्ति की जांच करने का आदेश दिया गया था।

2.22 करोड़ रुपए की संपत्ति अर्जित की

अधिकारी ने कहा, "संपत्ति की जांच के दौरान, यह पता चला है कि तहसीलदार एमके दलवी ने 2.22 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है, जो उनकी आय के ज्ञात स्रोत से 84.20 प्रतिशत अधिक है। इस संबंध में दलवी के खिलाफ गुरुवार को एपीएमसी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है।" एसीबी ने लोक सेवक द्वारा आपराधिक कदाचार और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अपराधों को बढ़ावा देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एजेंसी इस मामले के संबंध में दलवी के एक रिश्तेदार की भूमिका की भी जांच करेगी। सूत्रों ने कहा कि एसीबी दलवी और उनके रिश्तेदार की संपत्ति और बैंक खाते के विवरण की भी जांच करेगी।

45 लाख रुपए की ठगी

तीन लोगों और दो कंपनी के खिलाफ मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई के एक व्यक्ति को शेयर बाजार में ऑनलाइन निवेश का लालच देकर कथित तौर पर लगभग 45 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में महाराष्ट्र पुलिस ने तीन लोगों और दो कंपनियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान आरव, कुणाल, बिमला के रूप में हुई है। इसके अलावा शेयर बाजार कारोबार में खरीदार और विक्रेता के बीच मध्यस्थता कराने के लिए शुल्क लेने वाली कंपनी उपभोक्ता सेवा कर्मचारी और एक वेबसाइट के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

निवेश पर मुनाफा मांगा तो आरोपियों ने दिया गोलमोल जवाब

साइबर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक गजानन कदम ने नवी मुंबई निवासी 49 वर्षीय पीड़ित की शिकायत के हवाले से बताया कि आरोपियों ने उन्हें इस साल पांच फरवरी से तीन मार्च के बीच 44.72 लाख रुपये निवेश करने का लालच दिया था। उन्होंने बताया कि जब पीड़ित ने अपने निवेश पर मुनाफा मांगा तो आरोपियों ने गोलमोल जवाब दिया। इसके बाद उन्हें धोखाधड़ी का एहसास हुआ और पुलिस से संपर्क किया। कदम ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 419 (प्रतिरूपण द्वारा धोखाधड़ी), 420 (धोखाधड़ी) और 34 (साझा इरादा) और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बाइक सवार को बचाने के चक्कर में हादसा

सड़क डिवाइडर से टकराया रिक्शा

दो की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

भिवंडी । भिवंडी तालुका के पडघा रोड पर एक दर्दनाक दुर्घटना उस समय घटी जब एक सड़क पार कर रहे बाइक सवार को बचाने की कोशिश में एक तेज रफ्तार रिक्शा सड़क के डिवाइडर से जा टकराया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है ।

भिवंडी तालुका के के पडघा हाइवे पर शुक्रवार की दोपहर निंबवली गाव की हद में एक बाइक सवार सड़क पार कर रहा था। उसी दौरान सामने से तीज रफ्तार आ रहे रिक्शा चालक बाइक सवार को बचाने की कोशिश में रिक्शा का नियंत्रण खो बैठा और रिक्शा चालक सीधा सड़क के बीचों बीच बने डिवाइडर से जा टकराया। इस जोरदार टक्कर के कारण जहां रिक्शा तहस नहस हो गई वहीं रिक्शा में बैठे किशोर अनंता पाटिल 52 निवाशी खोणी गाव और सतीश गोविंद जाधव 43 काटई के रहवासी की दर्दनाक मौत हो गई । जबकि इस घटना में अन्य दो लोग गुरुनाथ भोईर , मोहम्मद अलीम गंभीर रूप से घायल हो गए है। हादसे का दृश्य सड़क किनारे स्थित जय मल्हार ढाबा के प्रवेश द्वार के ऊपर लगे सीसीटीवी में कैद हो गया है। इस बीच हादसे की घटना भिवंडी तालुका पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई है।

उत्पाद विभाग ने जब्त की 27 लाख की देशी शराब

सैनिटरी नैपकिन के नीचे छुपाए 48400 बोतलें

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से राज्य आबकारी विभाग ने 26.94 लाख रुपये की देसी शराब जब्त की है और मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। ठाणे में आबकारी के अधीक्षक नीलेश सांगडे ने बताया कि राज्य आबकारी विभाग के उड़न दस्ते ने शुक्रवार को कल्याण में एक टेम्पो को रोका और सैनिटेरी नैपकिन के नीचे छिपाकर कार्टन में रखी देसी शराब की 48,400 बोतलें बरामद की। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित सामान का परिवहन कर रहे साईनाथ नागेश रामगिरवार (27) और अमरदीप शांताराम फुलजीली (29) को गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि जब्त शराब की कीमत 26.94 लाख रुपये है। उन्होंने बताया कि टेम्पो को भी जब्त कर लिया गया है जिसकी कीमत 26.12 लाख रुपये है।

महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में पति व तीन रिश्तेदारों पर मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता | कल्याण

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पुलिस ने एक महिला को प्रताड़ित करने के आरोप में चेन्नई निवासी उसके पति और परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह मामला ठाणे जिले में कल्याण के खडकपाडा पुलिस थाने में दर्ज किया गया है।

क्या है शिकायत ?

महिला ने पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में कहा है कि नवंबर 2020 में उसकी शादी दक्षिणमूर्ति राममूर्ति के साथ हुई थी। शुरुआत में सब कुछ ठीक था, लेकिन बाद में सास-ससुर ने उसे मामूली बातों पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उन्होंने उसके मायके के लोगों से 50 लाख रुपये और सोने की एक अंगूठी की भी मांग की। महिला ने जब मांगें पूरी करने में असमर्थता जताई तो उन्होंने उसे कल्याण स्थित उसके मायके में छोड़ दिया। शिकायत में कहा गया है कि पिछले दो साल से 40 वर्षीय महिला अपनी मां के साथ रह रही है क्योंकि उसका पति और उसके परिवार के लोग उसे अपने घर नहीं ले जा रहे हैं। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने महिला के पति और उसके परिवार के तीन सदस्यों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है और जांच जारी है।

मुंबई भाजपा ने रवाना किए डिजिटल प्रचार रथ

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मुंबई इकाई ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के लिए छह डिजिटल प्रचार रथ रवाना किए। नगर भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने इन वाहनों को रवाना किया। उन्होंने कहा कि ये रथ शहर के छह लोकसभा क्षेत्रों के निवासियों को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा किए गए विभिन्न विकास कार्यों से अवगत कराएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सभी मोर्चों पर अन्य पार्टियों पर बढ़त बना ली है और आगामी चुनावों के लिए प्रचार शुरू कर दिया है और दूसरों से पहले अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है।

'समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रही पार्टी'

शेलार ने कहा कि पार्टी महिला स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी कर्मियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों सहित समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रही है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने कहा कि 2047 में, जब भारत स्वतंत्रता की शताब्दी मना रहा होगा, तब यह अविकसित या विकासशील देश नहीं होगा, बल्कि यह एक विकसित देश होगा। यह 140 करोड़ भारतीयों का सपना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसी सपने को साकार करने के लिए प्रयासरत हैं।

क्लस्टर डेवलपमेंट के तहत सर्वेक्षण का काम शुरू

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दिखाई हरी झंडी

ठाणे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मुंब्रा में क्लस्टर डेवलपमेंट योजना लागू करने का आदेश दे दिया है। सर्वे का काम भी शुरू हो गया है। मुंब्रा स्थित एक निर्माणाधीन शिवसेना शाखा का निरीक्षण करने के दौरान यह जानकारी स्थानीय सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने दी। एक पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए शिवसेना नेता एवं स्थानीय विधायक राजन किने ने यह योजना लागू करने के लिए मुंब्रा निवासियों की तरफ से मुख्यमंत्री शिंदे का आभार माना और बताया कि मुंब्रा को क्लस्टर में शामिल करने के लिए 2014 से लगातार पत्र व्यवहार किया जा रहा था। मुंब्रा स्थित यु आर पी 38 के तहत सर्वेक्षण का काम शुरू हो गया है। सर्वेक्षण का काम पूरा हो जाने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जिन निवासियों का घर 100 चौ.फुट का है, उन्हे भी 325 चौ फुट का वैध घर दिया जायगा। जर्जर और अवैध इमारतों में रह रहे लोगों को वैध घर मिलने का रास्ता साफ हो गया है। मुंब्रा का कबाड़ा करने वाले विरोधी इस काम में विघ्न डालने का प्रयास कर सकते है। किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान देने के बजाय उन्होंने निवासियों को सीधा कार्यालय से संपर्क करने का निवेदन किया है। इस अवसर पर पूर्व नगरसेविका अनिता किणे, मोरेश्वर किणे, मुंब्रा शहर अध्यक्ष मुबीन सुर्वे, एफ एम इलियास, प्रवक्ता आरिफ हाशमी सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

10 मार्च को वूमेन एजेंडा 2024 का आयोजन

उल्हासनगर । आगामी चुनाव में महिलाओं से संबंधित मुद्दे राजनैतिक पार्टियों के एजेंडे में शामिल करने की मांग को लेकर गंगोत्री वेलफेयर फाउंडेशन ने 10 मार्च को वूमेन एजेंडा 2024 का आयोजन टाउन हॉल में किया है। इसमें सामाजिक, राजनैतिक, शिक्षा, पूर्व नगरसेविका, महिला संगठनों की तमाम महिलाओं को आमंत्रित किया गया है।

वूमेन एजेंडा 2024 के कार्यक्रम में महाराष्ट्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्षा रुपाली चाकणकर व गंगोत्री वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष भरत गंगोत्री व कायद्याने वागा के अध्यक्ष राज असरोंडकर प्रमुख रूप से उपस्थित होंगे। सभी महिलाओं और शहर की सामाजिक, व्यापारी संस्थाओं, एनजीओ और समाजसेवीयों से उक्त कार्यक्रम में शामिल होने की अपील गंगोत्री वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया धामी द्वारा की गई है।

सोनिया धामी
अध्यक्ष, गंगोत्री वेल्फेअर फाऊंडेशन

उमनपा व वृक्ष फाउंडेशन द्वारा महिलाएं सम्मानित

आनंद शुक्ला | उल्हासनगर

शिक्षा, समाजसेवा, सामाजिक क्षेत्र में शहर स्तर पर उल्लेखनीय कार्य करने वाली 9 महिलाओं को महिला दिवस के उपलक्ष्य में उल्हासनगर मनपा की महिला एवं बाल कल्याण विभाग और वृक्ष फाउंडेशन के माध्यम से सम्मानित किया गया। शुक्रवार को उक्त कार्यक्रम उल्हासनगर 3 स्थित बोट क्लब गार्डन में रखा गया था। इस अवसर पर उल्हासनगर मनपा के उपायुक्त डॉ। सुभाष जाधव, यूएमपी सचिव प्राजक्ता कुलकर्णी, पर्यावरण विभाग प्रमुख विशाखा सावंत, स्वास्थ्य विभाग प्रमुख के मनीष हिवरे, एकनाथ पवार, सर्व शिक्षा मिशन समन्वयक संगीता लहाने, पूर्व महापौर राजश्री चौधरी, पूर्व नगरसेविका अंजलि सालवे, शुभांगी बहनवाल आदि उपस्थित थे। मनपा आयोजित नवरत्न नारी शक्ति सम्मान समारोह में रेखा ठाकुर, केडीएमसी स्वच्छता के ब्रांड एंबेसडर रूपिंदर मुरजानी, कल्याण की सामाजिक कार्यकर्ता रानी कपोते और किन्नर अस्मिता टीम के सदस्यों की उपस्थिति में डॉ। तृप्ति रोकड़े, लेखिका प्रिया वाचानी, एसएसटी कॉलेज की डॉ। खुशबू पुरुस्वानी, किन्नर अस्मिता की अध्यक्ष नीता केने, सामाजिक कार्यकर्ता जयश्री रगड़े, लेखिका और लिम्का बुक इंडिया बुक रिकॉर्ड विजेता निवारोज़िन राजकुमार, शिक्षाविद् रेखा ठाकुर, महामाया असंगठित श्रमिक संघ अध्यक्ष मीरा सपकाले, किन्नर समुदाय का सिक्स पैक बेंड की संयोजिका कोमल को सम्मानित किया गया। वृक्ष फाउंडेशन अध्यक्षा ज्योती तायडे, समाजसेवी सत्यवान जगताप, कुमारी भानु पाल व शशिकांत दायमा के अथक प्रयासों योग्य सूत्र संचालन द्वारा कार्यक्रम सफल हुआ।

वायू प्रदूषण का सटीक रिकार्ड रखने के लिए मनपा खरीदेगी चार मोबाइल वैन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

पिछले साल दिसंबर महीने में मुंबई में वायू प्रदूषण (air pollution) का स्तर काफी नीचे चला गया था। हालात यहां तक हो गया था की एक समय दिल्ली से मुंबई प्रदूषित शहर बन गया था। मनपा द्वारा की गई उपाय योजना के बाद मुंबई का वायु प्रदूषण का स्तर काफी कम हो गया। मनपा प्रशासन ने वायु प्रदूषण की अचूक जानकारी रखने के लिए चार मोबाइल वैन खरीदने का निर्णय लिया है। मनपा के पास अभी मात्र एक मोबाइल वैन उपलब्ध है। मुंबई में हवा की गुणवत्ता जैसी ही खराब हुई मनपा प्रशासन उपाय में जुट गई। मनपा ने अक्टूबर, 2023 में एक परिपत्र जारी किया और 16 सूत्रीय कार्यक्रम कार्यक्रम जारी किया। जिसमे निर्माण स्थलों पर प्रदूषण को नियंत्रण के उपायों को लागू करने के लिए कार्रवाई की चेतावनी दी। सर्कुलर में दिए गए दिशा-निर्देशों को लागू नहीं करने वालों पर मनपा द्वारा कार्रवाई की जा रही है। मनपा ने कार्रवाई के लिए विशेष टीमें तैनात की हैं।मनपा द्वारा कार्रवाई किए जाने के दौरान यह भी सामने आया कि प्रदूषण का स्तर यानी वायु गुणवत्ता सूचकांक मापने की व्यवस्था में भी काफी खामियां है। मनपा की ओर से फिलहाल भायखला, घाटकोपर, गोवंडी, कांदिवली, शिवडी में प्रदूषण के स्तर को मापने के लिए एक प्रणाली स्थापित है। लेकिन मुंबई भर के विभिन्न स्थलों के वायु प्रदूषण की अचूक जानकारी के लिए केवल एक मोबाइल वैन है। जिससे पूरे मुंबई का वायु की गुणवत्ता की सटीक जानकारी मिलना मुश्किल था। मनपा ने इसी के चलते चार प्रदूषण मोबाईल वैन (mobile van) खरीदने का निर्णय लिया है। जिससे शहर में प्रदूषण का सटीक रिकॉर्ड मिलेगा उस पर उपाय योजना करने में आसानी होगी।

अतिरिक्त संख्या की आवश्यकता

मनपा की हेल्पलाइन पर प्रदूषण को लेकर कोई बड़ी शिकायत आती है तो मनपा घटना स्थल पर मोबाइल वैन भेजकर तुरंत प्रदूषण का स्तर मापा जाएगा। जिससे वायु प्रदूषण रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की जा सके। फिलहाल मनपा के पास एक ही वैन होने के कारण शिकायतों पर ध्यान देना मुश्किल था। इसलिए शहर के आकार को देखते हुए 4 वैन और ली जा रही है ।

नियंत्रण बोर्डों के तंत्र

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड का बांद्रा, बोरीवली पूर्व, मुंबई एअर पोर्ट , कोलाबा, कांदिवली पूर्व, कुर्ला, मुलुंड पश्चिम, पवई, सायन, विलेपार्ले, वर्ली, बीकेसी, बोरीवली पूर्व, अंधेरी पश्चिम-चकला में वायु गुणवत्ता निगरानी प्रणाली (एअर क्वालिटी मॉनिटरींग सिस्टम) सिस्टम स्थापित किया गया है।

प्रेरक कहानी

धारावी की झुग्गी में रहने वाले उमेश कीलू बने सेना में लेफ्टिनेंट

10X5 फीट के मकान में रहते थे, 2013 में पिता का हुआ निधन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

अगर आपके हौंसले बुलंद हैं और कुछ कर गुजरने की लालसा है तो लक्ष्य हासिल करने में आपको कोई भी बाधा नहीं रोक सकती। मुंबई के धारावी झुग्गी बस्ती में रहने वाले उमेश कीलू (Lieutenant Umesh Keelu) इसका बड़ा उदाहरण हैं। झुग्गी बस्ती में रहकर और तमाम सुवधिाओं के घोर अभाव के बावजूद आज वो भारतीय सेना में एक कमीशन अधकिारी बने हैं। शनिवार (९ मार्च) को चेन्नई में ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकेडमी में पासिंग आउट परेड आयोजित की गई जसिके बाद अब वो लेफ्टनिेंट बन गए हैं। भारतीय सेना में उनको लेफ्टिनेंट बनने से तमाम बाधाएं नहीं रोक पायीं। जीवन की सभी मुसीबतों और कठनिाइयों को उन्होंने पार करते हुए आज सेना (Indian Army) में बड़ा ओहदा हासलि करने में कामयाबी पायी। उनके साहस, मेहनत और लगन की खूब सराहना की जा रही है।

रक्षा विभाग ने की उमेश कीलू की सफलता की प्रशंसा

पीआरओ डिफेंस मुंबई ने सोशल मीडयिा मंच 'एक्स' पर लेफ्टिनेंट उमेश कीलू की सफलता की खूब प्रशंसा की गई है और पासिंग आउट परेड से जुड़ा उनका एक वीडियो भी साझा किया है। पोस्ट साझा करते हुए लखिा, श्लेफ्टिनेंट उमेश कीलू से मिलें क्योंकि वह आज भारतीय सेना में एक अधिकारी बन गए हैं। मुंबई के एक कठिन इलाके धारावी (Dharavi) में पले-बढ़े इस अधिकारी ने कई चुनौतियों का सामना कयिा है और राष्ट्र सेवा के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

सत्ता में आए तो एक दिन बंद हो जाएंगे सारे लाउडस्पीकर : राज ठाकरे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के अध्यक्ष राज ठाकरे ने अपनी पार्टी के 18वें स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि राजनीति में धीरज रखना जरूरी होता है। धैर्य रखने से ही कुछ प्राप्त हो सकता है।

कब हुई थी MNS की स्थापना?

बता दें कि राज ठाकरे ने 18 वर्ष पहले अपने ताऊ शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) की स्थापना की थी। पार्टी की स्थापना के कुछ वर्ष तक उन्हें अच्छी सफलता मिलती रही। उनके 13 विधायक चुनकर आए और लोकसभा की कई सीटों पर उन्होंने शिवसेना को हराने में बड़ी भूमिका अदा की। मुंबई महानगरपालिका में ठीकठाक संख्या में उनके पार्षद चुनकर आए और नासिक महानगरपालिका में तो उनका महापौर भी बना, लेकिन उसके बाद उनकी पार्टी की प्रगति पर ब्रेक सा लग गया है। इससे कार्यकर्ताओं में कभी-कभी हताशा देखी जाती है। नासिक में पार्टी के 18वें स्थापना दिवस पर आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने जनसंघ और भाजपा का उदाहरण देते हुए अपने कार्यकर्ताओं को धीरज का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा, जनसंघ की स्थापना 1952 में हुई थी। फिर उसके नए स्वरूप भाजपा की स्थापना मुंबई में 1980 में हुई। दीर्घ काल तक उसके कार्यकर्ताओं ने तपस्या की, तब आज नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन सके हैं।

राज ठाकरे ने क्या कुछ कहा?

राज ठाकरे ने अटल जी की सरकारों को भी याद करते हुए कहा कि पहले अटल जी सिर्फ 13 दिन के प्रधानमंत्री बने, फिर 13 महीने के, उसके बाद वह साढ़े चार साल प्रधानमंत्री रहे। इसलिए आप लोग भी धीरज रखिए। धीरज रखने से ही आपको भी सब कुछ प्राप्त होगा। उन्होंने राकांपा में हुई टूट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राकांपा में ऊपर से फूट है, लेकिन अंदर सब मिले हुए हैं। अपनी पार्टी द्वारा समय-समय पर विभिन्न मुद्दों पर किए जाने वाले आंदोलनों की याद दिलाते हुए राज ठाकरे ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जितने सफल आंदोलन मनसे ने किए हैं, उतने किसी पार्टी ने नहीं किए।

राज ठाकरे को याद आया पुराना आंदोलन

अपनी पार्टी द्वारा मस्जिदों पर लगे लाउडस्पीकरों के विरुद्ध किए गए आंदोलन की याद दिलाते हुए राज ने कहा कि हमें एक बार सत्ता देकर देखिए। एक दिन में सारे लाउडस्पीकर बंद हो जाएंगे। राज ठाकरे ने हाल ही में मराठा आरक्षण के लिए मनोज जरांगे पाटिल द्वारा किए गए आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि मनोज जरांगे को ऐसे-ऐसे आश्वासन दिए गए, जो कभी पूरे हो ही नहीं सकते। उन्होंने सरकार पर सवाल उठाया कि ऐसे आश्वासन दिए ही क्यों जाने चाहिए, जिन्हें पूरा न किया जा सके।

कांग्रेस के कामों का श्रेय ले रही है भाजपा : खड़गे

दोपहर संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को कहा कि हालांकि उनकी पार्टी ने देश के बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, लेकिन सत्तारूढ़ भाजपा इसका श्रेय लेने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर तभी मजबूत हो सकती है जब इसे मुंबई में मजबूत किया जाए, और कहा कि शहर इकाई के पास संगठन के पुनर्निर्माण का एक बड़ा काम है। वह मुंबई कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक दिवसीय सम्मेलन का वीडियो लिंक के माध्यम से उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे।

'कांग्रेस को मजबूत करना मुंबई के प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता की जिम्मेदारी'

उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करना मुंबई के प्रत्येक पार्टी कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। मुंबई और कांग्रेस का पुराना रिश्ता है क्योंकि पार्टी की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को यहीं हुई थी। रोजगार गारंटी योजना (ईजीएस) जैसे कई फैसलों की परिकल्पना राष्ट्रीय स्तर पर कानून के रूप में अपनाने से पहले कांग्रेस ने राज्य में की थी। पार्टी प्रमुख ने कहा, 'यदि आप इतिहास भूल जाते हैं, तो आप भविष्य में कुछ नहीं कर सकते। यह कांग्रेस की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को बताए कि उसने देश के लिए क्या किया।

'भाजपा केवल कांग्रेस और गांधी परिवार को गाली दे सकती है'

उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत विलासराव देशमुख और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल के दौरान मुंबई में की गई विभिन्न परियोजनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पार्टी ने बुनियादी ढांचे, दूरसंचार क्षेत्र सहित अन्य मामलों में देश की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। खड़गे ने देश की प्रगति का श्रेय लेने की कोशिश के लिए भाजपा की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'भाजपा केवल कांग्रेस और गांधी परिवार को गाली दे सकती है। परिवार का कोई भी सदस्य 1989 के बाद से मंत्री, मुख्यमंत्री या प्रधान मंत्री के रूप में सत्ता में नहीं रहा है।

'बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती है'

कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि बेरोजगारी सबसे बड़ी चुनौती है जिसका देश सामना कर रहा है, लेकिन पीएम नरेंद्र मोदी सोचते हैं कि वह समृद्धि लाए हैं। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से यूपीए शासन के दौरान गठित स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़ने के लिए कहा। उन्होंने कहा, एसएचजी के सूक्ष्म आर्थिक प्रबंधन ने महिलाओं को समृद्ध होने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा लोगों को न्याय दिलाएगी और यदि आप इसे नजरअंदाज करते हैं, तो आप एक बड़ी गलती करेंगे।'

बहुउद्देशीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र की आधारशिला

मुंबई। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री नारायण राणे ने आज सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय में सचिव एस सी एल दास और मंत्रालय तथा उसके संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में महाराष्ट्र में मुंबई के साकी नाका में आगामी बहुउद्देशीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र की आधारशिला रखी।

सम्मेलन केंद्र सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) को ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए, कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और संगोष्ठियों के आयोजन के लिए, अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक किफायती और सुलभ मंच प्रदान करेगा, और उद्योग के साथियों के साथ सहयोग का अवसर भी प्रदान करेगा। इस पहल से स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों, अनुसूचित जति/अनुसूचित जनजातियों के उद्यमियों और समाज के अन्य कमजोर वर्गों को लाभ होने की संभावना है।नारायण राणे ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), पीएम विश्वकर्मा, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) और कोयर बोर्ड का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

संपादकीय

सावित्रीबाई फुले: नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता

देश-दुनिया के इतिहास में 10 मार्च की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। यह तारीख भारत के संदर्भ में खास तौर महिला शिक्षा के लिहाज बेहद खास है। वजह यह है कि 1897 में इसी तारीख को देश की पहली महिला शिक्षक सावित्रीबाई फुले का निधन हुआ था। सावित्रीबाई का जन्म 03 मार्च, 1831 को महाराष्ट्र के सतारा के नायगांव में एक किसान परिवार में हुआ था। उन्हें देश में महिला शिक्षा की अगुआ कहा जाता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन महिला कल्याण में लगाया। उनकी गिनती देश की सबसे पहली आधुनिक नारीवादियों में होती है। सावित्रीबाई शिक्षक होने के साथ समाज सुधारक, दार्शनिक और कवयित्री भी थीं। उनकी कविताएं अधिकतर प्रकृति, शिक्षा और जाति प्रथा को खत्म करने पर केंद्रित होती थीं। सावित्रीबाई फुले ने न केवल देश में महिला शिक्षा और महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया, बल्कि उस समय समाज में व्याप्त छुआ-छूत, बाल विवाह, सती प्रथा और विधवा विवाह जैसी कुरीतियों का भी विरोध किया। इनके खिलाफ उन्होंने जीवनभर संघर्ष किया। 1840 में महज नौ साल की उम्र में उनका विवाह 13 साल के ज्योतिराव फुले से हुआ था। शादी के समय वह पढ़ी-लिखी नहीं थीं। उस समय शिक्षा पर केवल पुरुषों का अधिकार माना जाता था। समाज की इस सोच के बावजूद सावित्रिबाई ने शिक्षा हासिल की। शुरू में जब वह स्कूल जाती थीं, तो उन्हें पत्थर मारे जाते थे और उनके ऊपर कूड़ा-कचरा फेंका जाता था। उन्होंने लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया और 18 स्कूल खोले। सावित्रीबाई के पति ज्योतिराव फुले भी समाज सुधारक थे और उन्होंने पत्नी के हर काम में सहयोग किया। सावित्रीबाई और ज्योतिराव ने महिला शिक्षा के क्षेत्र में बहुत काम किया। शादी के बाद बेहद कम उम्र में ही सावित्रीबाई ने लड़कियों को पढ़ाना शुरू कर दिया था। जिस समय लड़कियों की पढ़ाई को पाप माना जाता था, उस समय देश में लड़कियों के लिए पहला स्कूल साावित्रीबाई और उनके पति ज्योतिराव ने 1848 में पुणे में खोला था। इसके बाद इन दोनों ने मिलकर लड़कियों के लिए 17 और स्कूल खोले। सावित्रीबाई ने महिलाओं के अधिकारों के लिए ही काम नहीं किया, बल्कि वह समाज में व्याप्त भ्रष्ट जाति प्रथा के खिलाफ भी लड़ीं। जाति प्रथा को खत्म करने के अपने जुनून के तहत उन्होंने अछूतों के लिए अपने घर में एक कुआं बनवाया। सावित्रीबाई ने बच्चों को पढ़ाई करने और स्कूल छोड़ने से रोकने के लिए एक अनोखा प्रयास किया। वह बच्चों को स्कूल जाने के लिए वजीफा देती थीं। ऐसे समय में जब देश में जाति प्रथा अपने चरम पर थी उन्होंने अंतरजातीय विवाह को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर सितंबर 1873 में 'सत्यशोधक समाज' की स्थापना की, जो बिना पुजारी और दहेज के विवाह आयोजित करता था। इस समाज की स्थापना का उद्देश्य कम खर्च में शादी कराना, अंतरजातीय विवाह, बाल विवाह को खत्म करना और विधवा पुनर्विवाह था। सावित्रीबाई और ज्योतिराव की अपनी कोई संतान नहीं थी। उन्होंने एक विधवा के बेटे यशवंत को गोद लिया। यशवंत आगे चलकर डॉक्टर बने। सावित्रीबाई के पति ज्योतिराव का निधन 1890 में हो गया. उस समय उन्होंने सभी सामाजिक मानदंडो को तोड़ते हुए पति का अंतिम संस्कार किया. उनकी चिंता अग्नि दी. इसके करीब चार साल बाद पूरे महाराष्ट्र में प्लेग फैल गया. जब यह बीमारी फैली तो वे प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की मदद के लिए निकल पड़ीं. उस समय जिसे प्लेग होता था, सात दिनों के अंदर सर्दी-जुकाम, सिरदर्द, बुखार ओर उल्टी के बाद दम तोड़ देता था. इस कारण लाखों लोगों की मौत हो गई. उस समय महाराष्ट्र में लोगों की जान बचाने के लिए सावित्रीबाई फुले अपने बेटे डॉ.यशवंत राव फुले के साथ आगे आईं. उन्होंने पुणे के पास प्लेग पीड़ितों के इलाज के लिए एक क्लीनिक खोला. यहां पर महार बस्ती में एक दस साल के बच्चा प्ले से पीड़ित पाया गया. उस बच्चे को पीठ पर लादकर वे क्लीनिक लाईं. उसे इलाज करके बचा लिया. मगर सावित्रीबाई खुद प्लेग की चपेट में आ गईं. 1897 में उनकी मृत्यु हो गई. वहीं 30 अक्टूबर 1905 को उनके बेटे की भी मौत प्लेग से हुई.

शख्सियत | उड्डुपी रामचन्द्र राव

प्रतिष्ठित भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक

उड्डुपी रामचन्द्र राव, जिन्हें आमतौर पर यू. आर. राव के नाम से जाना जाता है। वह एक प्रतिष्ठित भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक थे जिन्होंने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने शानदार करियर के दौरान, राव को कई प्रशंसाएं और सम्मान मिले, जिनमें भारत के दो सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण और पद्म विभूषण शामिल हैं। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएसटी) के चांसलर और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) की गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया।

उड्डुपी रामचन्द्र राव का जन्म 10 मार्च, 1932 को कर्नाटक, भारत में हुआ था। एक छोटे से गांव में पले-बढ़े राव को छोटी उम्र से ही विज्ञान में गहरी रुचि हो गई। उन्होंने इंजीनियरिंग में अपनी शिक्षा हासिल की और गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, बैंगलोर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। बाद में, उन्होंने अपनी मास्टर डिग्री और पीएचडी पूरी की। क्रमशः गुजरात विश्वविद्यालय और भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला से इंजीनियरिंग में।

अंतरिक्ष विज्ञान में राव की यात्रा तब शुरू हुई जब वह 1966 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में शामिल हुए। उन्होंने भारत के पहले उपग्रह, आर्यभट्ट के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसे 1975 में सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया था। 1984 से 1994 तक इसरो के अध्यक्ष के रूप में, राव ने कई ऐतिहासिक मिशनों और परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उनके नेतृत्व में, इसरो ने रिमोट सेंसिंग के लिए पहला भारतीय उपग्रह लॉन्च किया, जिसने देश में कृषि, वानिकी और जल संसाधन प्रबंधन में क्रांति ला दी। उन्होंने ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) के विकास का भी नेतृत्व किया, जो अंतरिक्ष में उपग्रहों को लॉन्च करने के लिए भारत का कार्यक्षेत्र बन गया। उन्होंने भारत-सोवियत मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन और अन्य देशों के लिए उपग्रह प्रणालियों के विकास सहित अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यू. आर. राव के समर्पण, दूरदर्शिता और अग्रणी भावना ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जिससे देश वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में स्थापित हुआ है।

पेड़ों के बिना बेमानी वन्यजीव संरक्षण का दावा

ज्ञानेन्द्र रावत

सरकार देश में राष्ट्रीय पशु बाघ की संख्या में बढ़ोतरी का दावा करते नहीं थकती। एक समय विलुप्ति के कगार पर पहुंच चुके बाघों की तादाद में बढ़ोतरी वास्तव में प्रशंसा का विषय तो है ही, गर्व का विषय भी है। हाल ही में जारी केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की रिपोर्ट में तेंदुओं की तादाद में बढ़ोतरी का दावा किया गया है, और कहा गया है कि यह देश में जैव विविधता के प्रति भारत के अटूट समर्पण का प्रमाण भी है। अब तेंदुओं की संख्या बढ़कर करीब 13,874 हो गयी है। सरकार की उस घोषणा का भी स्वागत किया जाना चाहिए जिसके तहत सरकार ने वन्यजीवों की सात प्रजातियों यथा बाघ, शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ, प्यूमा, जगुआर और चीते के संरक्षण के लिए इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस बनाया है। इसकी सफलता उसी दशा में संभव है जब देश-दुनिया में वन्य जीवों के लिए न केवल उनके अनुकूल वातावरण हो, और साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। यहां इस सच्चाई से इनकार नहीं किया जा सकता कि वन्य जीव और वन्य जीवन के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बेहद महत्वपूर्ण है। जनसंख्या में बेतहाशा बढ़ोतरी, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और शहरीकरण के कारण जहां जंगलों की बेतहाशा कटाई के चलते वन्यजीवों के आवास लगातार खत्म किये जा रहे हैं, वहीं वन्य जीवों के अस्तित्व पर ही संकट खड़ा हो गया है। यही अहम कारण हैं कि वन्यजीव भोजन की तलाश में अब मानव बस्तियों की ओर रुख करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम वन्यजीव-मानव संघर्ष के रूप में सामने आया है। इस संघर्ष को टालने का एकमात्र समाधान है जंगलों की कटाई पर रोक लगाना। इस पर हमें गंभीरता से विचार करना होगा कि यह संकट कुछेक वन्य जीवों का ही सवाल नहीं है, बल्कि दूसरी प्रजातियों के अस्तित्व से भी जुड़ा है। उस दशा में उन दूसरी प्रजातियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में पारिस्थितिकीय संतुलन का बिगाड़ अवश्यंभावी है।

बीते कुछ महीनों से जंगलों और पेड़ों की अवैध कटाई का मसला विशेष रूप से चर्चा में है। इस मसले पर देश की सुप्रीम अदालत काफी गंभीर है और उसने संज्ञान लेना शुरू भी कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कार्बेट रिजर्व नेशनल पार्क में अवैध निर्माण और पेड़ों की कटाई को अनुमति देने के लिए उत्तराखंड सरकार के पूर्व वन मंत्री और पूर्व प्रभागीय वन अधिकारी की खिंचाई की व फटकार लगाई। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यीय पीठ ने अपने आदेश में कहा कि सीबीआई इस प्रकरण की पहले ही जो जांच कर रही है, वह तीन महीने में इसकी जांच रिपोर्ट अदालत में पेश करे। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार को भविष्य में ऐसे कारनामें रोके व पहले हो चुके नुकसान की भरपायी के लिए तत्काल कदम उठाए।

दरअसल पेड़ों की कटाई जैसे मसले पर देश की सुप्रीम अदालत की यह टिप्पणी एक सबक है। उसने कहा है कि वैधानिक प्रावधानों को ताक पर रखने जैसे पूर्व वन मंत्री और वन अधिकारी के दुस्साहस आश्चर्यचकित करने वाले हैं। यह विडंबना है कि वन अधिकारी पर गंभीर आरोप होने के बावजूद तत्कालीन वन मंत्री ने नियमों की अनदेखी कर उन्हें डीएफओ नियुक्त कर दिया। यह पूरा मामला राजनेता, नौकरशाहों की मिलीभगत का ज्वलंत उदाहरण है। गौरतलब है कि कोर्ट की केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने पहले सीटीआर के कालागढ़ वन प्रभाग के पाखरो और मोरघट्टी वन क्षेत्रों में 2021 में बाघ सफारी के संबंध में निर्माण सहित विभिन्न अवैध गतिविधियों के लिए पूर्व मंत्री और वनाधिकारी को जिम्मेदार ठहराया था। दरअसल, यह मामला अधिवक्ता और पर्यावरण कार्यकर्ता द्वारा दायर याचिका के चलते उजागर हुआ जिसमें पाखरो टाइगर सफारी में अवैध निर्माण के साथ-साथ अवैध रूप से हजारों पेड़ों की कटाई का आरोप लगाया था। पेड़ों की अवैध कटाई को लेकर देश में यह पहला मामला है जिसमें किसी मंत्री की संलिप्तता का खुलासा हुआ है और देश की सर्वोच्च अदालत ने संज्ञान लेते हुए गंभीर टिप्पणी करते हुए जिम्मेदार व्यक्तियों से नुकसान की भरपायी करने तथा राज्य के दोषी अधिकारियों के खिलाफ छह माह में अनुशासनात्मक कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया है। उस हालत में जबकि देश में विकास के नाम पर, औद्योगिक कारखानों, एक्सप्रेस-वे या आल वैदर रोड के नाम पर या फिर पर्यटन के नाम पर पेड़ों को, जंगलों को विकास प्रक्रिया की भेंट चढ़ाना जारी है और इनके खिलाफ जनता द्वारा किये जा रहे धरने, विरोध प्रदर्शन और जन आंदोलन सब के सब बेमानी हो गये हैं। अब देखना यह है कि सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का परिणाम भविष्य में क्या होगा। यदि यह सिलसिला ऐसे ही जारी रहा तो देश एक दिन हरित संपदाविहीन भी हो सकता है। पारिस्थितिकी तंत्र के असंतुलन की दशा में वन्य जीव संरक्षण के दावे बेमानी हो जायेंगे। पेड़ों के बिना लोग ऑक्सीजन के अभाव में अकाल मौत के मुंह में जाने को विवश होंगे। कोरोना काल के भयावह मंजर से भी यदि देश के नीति-नियंताओं ने सबक नहीं सीखा, तो उस दशा में क्या होगा, यह किसी से छिपा भी नहीं है।

सहज योग

अहंकार और प्रतिअहंकार का अलग होना

कल ही एक व्यक्ति मुझसे ज्ञानेश्वरी के विषय में बहस कर रहा था। यदि ज्ञानेश्वर यहां होते तो हम आज उनसे पूछ सकते थे। वह भी इसे समझाने का तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके क्योंकि बहुत कम उम्र में ही उनकी मृत्यु हो गई। बहुत से लोगों के समय से पहले मरने के कारण संसार में बहुत भ्रान्ति फैल गयी है।

अब इनमें से कितने साकार होते हैं और कितने नहीं? भगवान ही जानता है! लेकिन आप लोग जिन्हें आत्मसाक्षात्कार हो गया है, वे जानते हैं कि जब आपको पहली बार आत्मसाक्षात्कार होता है, तो आपका सहस्रार खुल जाता है और आप कंपन के साथ एक हो जाते हैं। फिर उसके बाद यहीं रहता है। उसकी दृष्टि अपनी तथा दूसरों की कुण्डलिनी पर पड़ती है। लेकिन उसके भीतर से जो कंपन आ रहा है, वह कभी-कभी एकदम से बंद हो जाता है। यदि वह अपना हाथ सिर के ऊपर उस स्थान पर रखता है जहां कोई नरम स्थान है तो वह देखेगा कि यह कैल्सीकृत हो गया है। अब आपको कल बोध हुआ और यह शांत हो गया। उसका कारण क्या है? इसका कारण यह है कि हमारा अहंकार और प्रति अहंकार अलग हो जाते हैं और हमारा ध्यान केंद्र में आ जाता है लेकिन फिर वे फिर से बढ़ते हैं और एक हो जाते हैं जिससे कैल्सीफिकेशन हो जाता है और प्रवाह रुक जाता है। लेकिन फिर भी, आप कुंडलिनी को समझ सकते हैं। कैसे? यदि आप वापस आएं और अपने हाथ मेरी ओर रखें और ध्यान में जाएं तो आप देख पाएंगे कि इस हाथ या अंगूठे ने पकड़ लिया है क्योंकि उन्हें अपना बोध है। लेकिन एक अबोध व्यक्ति जब मेरी ओर हाथ करके बैठेगा तो उसे कुछ भी महसूस नहीं होगा। उन्हें लगेगा कि मेरी यह उंगली पकड़ी गयी है। इसमें एक में आ रहा है, दूसरे में नहीं। और जो जानकार होंगे उन्हें समझ आ जाएगा कि कौन सी उंगली किस चक्र से जुड़ी है। इसे मानसिक गणना से नहीं जाना जा सकता। मैंने तुम्हें नहीं बताया। क्योंकि अगर मैंने तुम्हें बताया तो लोग कहेंगे कि माताजी तो बेकार की बातें कर रही हैं। तो मुझे बेहतर महसूस हुआ। अपने लिए देख लो। फिर जब उसने अपना हाथ दूसरे की तरफ किया तो उसकी उंगली जलने लगी। तो फिर मैंने कहा, 'अपना हाथ उसके नाभि चक्र पर रखो और देखो। अपनी आंखें बंद करें और देखें कि कौन सा चक्र घूम रहा है। आप देखेंगे कि आपकी नाभि हिल रही है। इसलिए जब आपने अपना हाथ उसकी ओर किया तो आपने देखा कि नाभि चक्र से जुड़ी उंगली जल रही थी। और जब वे उस आदमी की ओर अपना हाथ रखेंगे तो सभी को अपने ऊपर एक जैसी उंगली महसूस होगी। आप इसके बारे में कोई भी किताब लिख सकते हैं लेकिन यह जिस तरह से काम करता है, यह उसी तरह से काम करता है। वह भी इसे समझाने का तरीका ढूंढने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके क्योंकि बहुत कम उम्र में ही उनकी मृत्यु हो गई। बहुत से लोगों के समय से पहले मरने के कारण संसार में बहुत भ्रान्ति फैल गयी है।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

जीवन ऊर्जा

सावित्रीबाई फुले: निधन 10 मार्च 1897 | अवसान

अज्ञानता को मजबूती से पकड़कर उसे पीटो और अपने जीवन से भगा दो

सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को नायगांव में कृषि परिवार में हुआ था। सावित्रीबाई ज्योतिराव फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवियत्री थीं। उन्होंने अपने पति ज्योतिराव गोविंदराव फुले के साथ मिलकर स्त्री अधिकारों एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उन्हें आधुनिक मराठी काव्य का अग्रदूत माना जाता है। 1852 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। प्लेग महामारी में सावित्रीबाई प्लेग के मरीजों की सेवा करती थीं। एक प्लेग के छूत से प्रभावित बच्चे की सेवा करने के कारण इनको भी छूत लग गया। 10 मार्च 1897 को प्लेग के कारण सावित्रीबाई फुले का निधन हो गया।

स्त्रियां केवल घर और खेत पर काम करने के लिए नहीं बनी है, वह पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती है। स्वाभिमान से जीने के लिए पढ़ाई करो, पाठशाला ही इंसानों का सच्चा गहना है। तुम बकरी गाय को सहलाते हो, नाग पंचमी पर नाग को दूध पिलाते हो, लेकिन दलितों को तुम इंसान नही अछूत मानते हो। इस धरती पर ब्राह्मणों ने खुद को स्वघोषित देवता बना लिया है। पत्थर को सिंदूर लगाकर और तेल में डुबोकर जिसे देवता समझा जाता है, वह असल मे पत्थर ही होता है। अगर पत्थर पूजने से बच्चे होते तो नर नारी शादी ही क्यों रचाते। अज्ञानता को तुम पकड़ो, धर दबोचो, मजबूती से पकड़कर उसे पीटो और उसे अपने जीवन से भगा दो। गरीबों और जरूरतमंदों के लिए हितकारी और कल्याणकारी कार्य शुरू किए है, में अपने हिस्से की जिम्मेदारी भी निभाना चाहती हूं, में आपको यकीन दिलाती हूं कि में आपकी हमेशा सहायता करूंगी,में कामना करती हूं कि ईश्वरीय कार्य अधिक लोगों की सहायता करेंगे। जाओ जाकर पढ़ो लिखो, मेहनती बनो, आत्मनिर्भर काम करो, ज्ञान और धन एकत्रित करो, ज्ञान के बिना सब खो जाता है, ज्ञान के बिना हम जानवर बन जाते है इसलिए खाली

मत बैठो, जाओ जाकर शिक्षा लो। ब्राह्मणवाद केवल मानसिकता नही, एक पूरी व्यवस्था है जिससे धर्म के पोषक तत्व देव-देवता, रीति-रिवाज, पूजा-अर्चना आदि गरीब दलित जनता को अपने में काबू में रखकर उनकी तरक्की के सारे रास्ते बंद करते है और उन्हें बदहाली भरे जीवन में धकेलते आए है। छत्रपति शिवाजी को सुबह शाम याद करना चाहिए, शुद्र अतिशूद्र के हमदर्द उनका गुणगान प्यारी भावना से करें।

एक सशक्त शिक्षित स्त्री सभ्य समाज का निर्माण कर सकती है, इसलिए उनको भी शिक्षा का अधिकार होना चाहिए। बेटी के विवाह से पहले उसे शिक्षित बनाओ ताकि वह आसानी से अच्छे बुरे में फर्क कर सके।

शिक्षा स्वर्ग का द्वार खोलता है, स्वयं को जानने का अवसर देता है। स्त्रियां केवल घर और खेत पर काम करने के लिए नही बनी है, वह पुरुषों से बेहतर कार्य कर सकती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

शास्त्रों में उपवास का है विशेष महत्व

व्रत रखने से मानसिक शांति मिलती है। इससे भगवान के नजदीक रहने के लिए शक्ति और सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में उपवास को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि व्रत रखने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है।नीचे जानते हैं व्रतों के वार्षिक चक्र के बारे में।

व्रतों का वार्षिक चक्र :-

1.साप्ताहिक व्रत : सप्ताह में एक दिन व्रत रखना चाहिए। यह सबसे उत्तम है।

2.पाक्षिक व्रत : 15-15 दिन के दो पक्ष होते हैं कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष। प्रत्येक पक्ष में चतुर्थी, एकादशी, त्रयोदशी, अमावस्या और पूर्णिमा के व्रत महतवपूर्ण होते हैं। उक्त में से किसी भी एक व्रत को करना चाहिए।

3.त्रैमासिक : वैसे त्रैमासिक व्रतों में प्रमुख है नवरात्रि के व्रत। हिंदू माह अनुसार पौष, चैत्र, आषाढ और अश्विन मान में नवरात्रि आती है। उक्त प्रत्येक माह की प्रतिपदा यानी एकम् से नवमी तक का समय नवरात्रि का होता है। इन नौ दिनों तक व्रत और उपवास रखने से सभी तरह के क्लेश समाप्त हो जाते हैं।

4.छह मासिक व्रत : चैत्र माह की नवरात्रि को बड़ी नवरात्रि और अश्विन माह की नवरात्रि को छोटी नवरात्रि कहते हैं। उक्त दोंनों के बीच छह माह का अंतर होता है। इसके अलावा

5.वार्षिक व्रत : वार्षिक व्रतों में पूरे श्रावण मास में व्रत रखने का विधान है। इसके अलवा जो लोग चतुर्मास करते हैं उन्हें जिंदगी में किसी भी प्रकार का रोग और शोक नहीं होता है। इससे यह सिद्ध हुआ की व्रतों में 'श्रावण माह' महत्वपूर्ण होता है। सोमवार नहीं पूरे श्रावण माह में व्रत रखने से हर तरह के शारीरिक और मानसिक कलेश मिट जाते हैं।

उपवास के प्रकारः- 1.प्रातः उपवास, 2. अद्धोपवास, 3.एकाहारोपवास, 4.रसोपवास, 5.फलोपवास, 6.दुग्धोपवास, 7.तक्रोपवास, 8.पूर्णोपवास, 9.साप्ताहिक उपवास, 10.लघु उपवास, 11.कठोर उपवास, 12.टूटे उपवास, 13.दीर्घ उपवास। बताए गए हैं, लेकिन हम यहां वर्ष में जो व्रत होते हैं उसके बारे में बता रहे हैं।

1.प्रातः उपवास- इस उपवास में सिर्फ सुबह का नाश्ता नहीं करना होता है और पूरे दिन और रात में सिर्फ 2 बार ही भोजन करना होता है।

2.अद्धोपवास- इस उपवास को शाम का उपवास भी कहा जाता है और इस उपवास में सिर्फ पूरे दिन में एक ही बार भोजन करना होता है। इस उपवास के दौरान रात का भोजन नहीं खाया जाता।

3.एकाहारोपवास- एकाहारोपवास में एक समय के भोजन में सिर्फ एक ही चीज खाई जाती है, जैसे सुबह के समय अगर रोटी खाई जाए तो शाम को सिर्फ सब्जी खाई जाती है। दूसरे दिन सुबह को एक तरह का कोई फल और शाम को सिर्फ दूध आदि।(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

सुख-शांति कैसे मिलती है?

कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के बाद भी सुख-शांति नहीं मिल पाती है। जो लोग काम को बोझ समझकर करते हैं, उनका मन अशांत ही रहता है। इस संबंध में एक लोक कथा प्रचलित है।

पुराने समय में एक राज्य में अकाल पड़ गया। वहां के राजा को बहुत नुकसान हुआ, उसे प्रजा से लगान नहीं मिल पाया। राज्य चलाने के लिए राजा के धन भी नहीं बचा था। राजा को ये भी चिंता थी कि पड़ोसी राजा हमला न कर दे। राजा ने एक बार अपने कुछ मंत्रियों को उसके खिलाफ षडयंत्र रचते भी पकड़ लिया था।

इन सारी परेशानियों की वजह से राजा रातभर जागते रहता था, उसकी नींद उड़ गई थी। राजा को कई पकवान परोसे जाते, लेकिन वह खा नहीं पाता था, उसे भूख नहीं लगती थी। उस राजा के शाही बाग के एक माली था। राजा रोज उसे देखता था, वह प्याज और चटनी के साथ रोटियां खाता था और हमेशा खुश रहता था।

राजा ने ये बातें अपने गुरु को बताई तो गुरु ने कहा कि अगर आपको चौकीदार की नौकरी ज्यादा अच्छी लगती है तो ये राज्य मुझे दे दो और आप मेरे यहां नौकरी कर लो। मैं तो ठहरा साधू मैं आश्रम में ही रहूंगा, लेकिन इस राज्य को चलाने के लिए मुझे एक नौकर चाहिए। आप पहले की तरह ही महल में रहें। राज सिंहासन पर बैठें और राज्य चलाएं, यही आपकी नौकरी होगी।

राजा ये बातें सुनकर खुश हुआ और उसने गुरु की बात मान ली। अब वह अपने काम को नौकरी की तरह करने लगा। फर्क कुछ भी नहीं था काम वही था, लेकिन अब राजा जिम्मेदारियों और चिंता से लदा हुआ नहीं था। कुछ महीनों बाद उसके गुरु आए। उन्होंने राजा से पूछा कि अब आपको भूख लगती है और नींद आती है या नहीं?

राजा ने कहा कि मालिक अब खूब भूख लगती है और आराम से सोता हूं। गुरु ने राजा को समझाया कि सबकुछ पहले जैसा ही है, लेकिन पहले तुमने जिस काम को बोझ समझ रखा था। अब सिर्फ उसे अपना कर्तव्य समझ कर रहे हो। हमें ये जीवन कर्तव्यों को पूरा करने के लिए मिला है। किसी चीज को अपने ऊपर बोझ की तरह लादने के लिए नहीं मिला है। काम कोई भी हो, चिंता उसे और ज्यादा कठिन बना देती है। जो भी काम करें उसे अपना कर्तव्य समझकर ही करें। इन बातों का ध्यान रखने पर ही हमारे जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

दो बजे दोपहर
रविवार, 10 मार्च 2024

फेंगशुई के अनुसार घर में खुशहाली और प्यार लाने के जरूर ट्राई करें ये टिप्स

कहते हैं कि रिलेशनशिप को मजबूत करने के लिए कई छोटी-छोटी चीजें काम करती हैं। इसी तरह आपकी जिंदगी में खुशियां भी कई छोटी चीजों से जुड़ीं होती हैं। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप किसी बड़ी अचीवमेंट पर ही खुश हों बल्कि कई बार छोटी-छोटी चीजें भी माहौल को खुशनुमा बना देती हैं। फेंगशुई में ऐसी कई चीजें बताई गई हैं, जिन्हें फॉलो करने से आपकी जिंदगी में खुशहाली और प्यार का आगमन होता है।

बड़ा हेड बेड : कपल के बीच प्यार बढ़ाने के लिए उनके बेड का सिरहाने बड़ा होना चाहिए। इससे न सिर्फ उन्हें अच्छी नींद आती है बल्कि इससे घर में पॉजिटिव वाइब्स भी आती है।

वॉल कलर्स: आपकी दीवारे भी घर में पॉजिटिव वाइब्स लाने में अहम भूमिका निभाती है। आपको घर की दीवारों को लाइट कलर से पेंट कराना चाहिए। लाइट पिंक, ग्रे, वाइट, लाइट ब्लू जैसे कलर्स काफी पॉजिटिव माने जाते हैं।

टेलीविजन: आपको सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन घर में टेलीविजन नहीं लगाना चाहिए। इससे आप दोनों का ध्यान एक-दूसरे पर नहीं रह पाएगा और आप हमेशा टीवी के साथ ही टाइम बिताते रहेंगे।

वर्क स्पेस : वर्क फ्रॉम होम ने सभी घरों की काया पलट कर दी थी लेकिन अब वक्त है कि अपने बेडरूम से निकलकर घर की किसी दूसरी जगह पर वर्क टेबल रिप्लेस की जाए।

फ्रेंड्स या फैमिली की फोटो न लगाएं : अपने बेडरूम में कभी भी फ्रेंड्स या फैमिली की फोटो न लगाएं।

आप घर की किसी दूसरी जगह पर फ्रेंड्स और फैमिली की फोटो लगा सकते हैं।

'द ग्रेट वॉल ऑफ इंडिया'

कुंभलगढ़ किले का एक बार जरूर करना चाहिए दीदार, देख दबा लेंगे दांतों तले उंगली

राजस्थान में कई खूबसूरत किले और महल मौजूद हैं। कुंभलगढ़ किला जितना शानदार है, उतना ही शानदार इसका इतिहास है। अगर आप भी राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो कुंभलगढ़ किले का दीदार जरूर करना चाहिए।

राजस्थान अपनी अनूठी परंपराओं और खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में फेमस है। यहां पर कई दार्शनिक स्थल हैं, जिनको देखने के लिए सिर्फ देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। इस राज्य में कई खूबसूरत किले और महल मौजूद हैं। जो इस राज्य की खूबसूरती में चार चांद लगाते हैं। इन्हीं में से एक कुंभलगढ़ का किला है।

इस महल की खूबसूरती को निहारने के लिए दूर-दूर से लोग यहां पहुंचते हैं। कुंभलगढ़ किला जितना शानदार है, उतना ही अधिक शानदार इसका इतिहास है। ऐसे में अगर आप भी राजस्थान घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको कुंभलगढ़ किले का दीदार जरूर करना चाहिए। तो आइए जानते हैं कुंभलगढ़ किले का शानदार इतिहास...

जानिए कुंभलगढ़ किले का इतिहास

यह किला अपनी विशाल दीवारों के लिए भी जाना जाता है। बता दें कि चीन की ग्रेट वॉल के बाद दुनिया की दूसरी सबसे लंबी दीवार इस किले की मानी जाती हैं। कुंभलगढ़ किले की दीवारें 36 किलोमीटर तक फैली हैं। जिसके कारण इस किले की दीवार को भारत की सबसे लंबी दीवार के रूप में भी जाना जाता है। राजस्थान के राजसमंद जिले में यह किला स्थित है। जोकि अरावली पहाड़ों की पश्चिमी श्रृंखला पर उदयपुर से लगभग 84 किमी दूर है। मेवाड़ क्षेत्र के शासक राणा कुंभा द्वारा 15वीं शताब्दी में इस किले का निर्माण करवाया गया था।

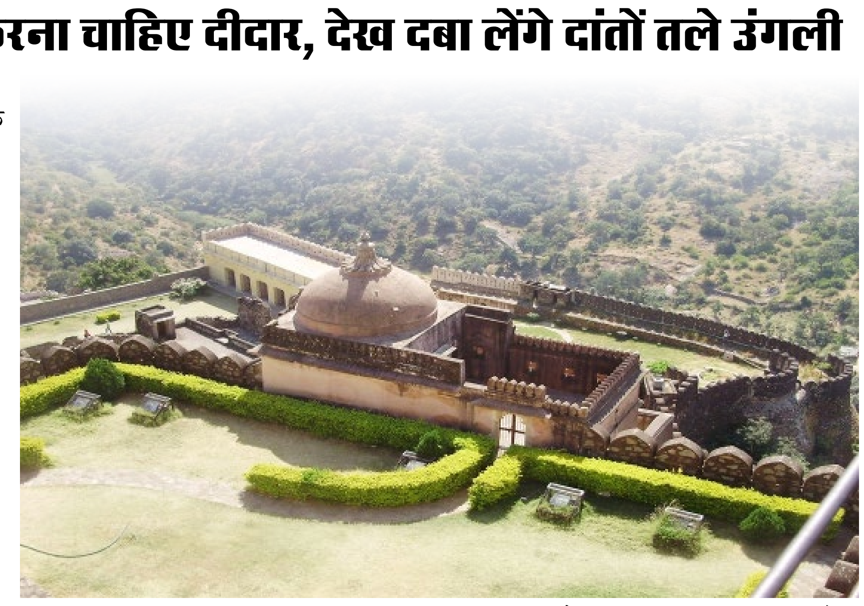

अभेद्य किला है कुंभलगढ़

कुंभलगढ़ किले को अपनी मजबूत सुरक्षा और पृथक स्थान के चलते देश के सबसे अभेद्य किलों में से एक माना जाता है। कुंभलगढ़ किले को मेवाड़ किले के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि इसी स्थान पर महाराणा प्रताप का जन्म हुआ था। दुश्मन से बचने के लिए इस किले में हर चीज बनाई गई थी। वहीं किले में 13 पर्वत चोटियां, 7 दरवाजे और कई वॉच टावर भी हैं। जो दुश्मनों के लिए इसे अधिक चुनौतीपूर्म बनाती हैं। ऐतिहासिक अभिलेखों के मुताबिक इस किले को दुश्मनों द्वारा सिर्फ एक बार घेरा गया था।

किले में मौजूद हैं सात द्वार

राजस्थान के इस अभेद्य किले में प्रवेश करने के लिए सात गढ़वाल प्रवेश द्वार थे। इन सातों दरवाजों का नाम अरेट पोल, हनुमान पोल, राम पोल, विजय पोल, निंबू पोल, पाघरा पोल और टॉप खाना पोल है। किले के अंदर बादल महल को भी देख सकते हैं। बादल महल किले के सबसे ऊंचे स्थान पर बना है। इस महल से बादलों और ग्रामीण इलाकों का मनमोकल दृश्य देखने को मिलता है। इस किे के परिसर में करीब 360 मंदिर बने हुए हैं। जिनमें से सबसे ज्यादा फेमस श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर है।

यूनेस्को विश्व धरोहर

कुंभलगढ़ किला अपनी बहुत सारी खूबियों और शानदार इतिहास के कारण यूनेस्को विश्व धरोहर की लिस्ट में शामिल है। राजस्थान के पहाड़ी किलों का हिस्सा रहा कुंभलगढ़ साल 2013 में यूनेस्को विश्व धरोहर में शामिल हो चुका है। आप भी पर्यटक भारी संख्या में इस किले की भव्यता को देखने के लिए यहां पहुंचते हैं। वहीं शाम के समय आप यहां पर शानदार लाइट और साउंड शो का लुत्फ उठा सकते हैं।

मार्च के महीने में दोस्तों के साथ भारत की इन खास जगहों का टूर करें, एडवेंचर एक्टिविटीज का लुत्फ उठाएं

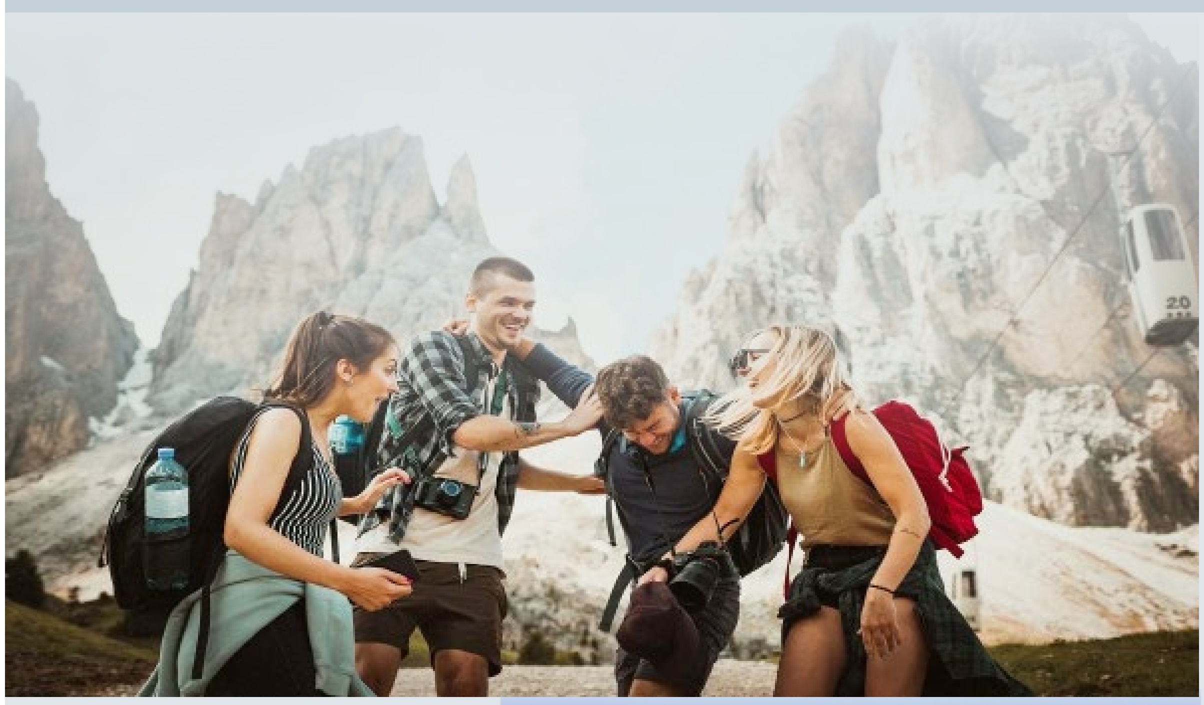

मार्च का महीने में गर्मी कम होती है ऐसे में लोग घूमने का प्लान बनाते है। इस दौरान कई बच्चों के एग्जाम खत्म हो जाते है। वह अपने परिवार या दोस्तों के साथ कहीं न कहीं घूमने जाते है। मार्च का महीना में न ठंड होती है और न ज्यादा गर्मी होती है। यह मौसम घूमने का सबसे बेस्ट होता है। पर्टनर के साथ घूमने के लिए यह समय काफी अच्छा है। वहीं, इस समय पूर्व से लेकर दक्षिण तक मौसम काफी कूल होता है। मार्च में दोस्तों के साथ घूमने का अलग ही मजा होता है। जब भी आप कही घूमने का प्लान बनाते हैं, तो ऐसी जगहों की तलाश करते हैं जहां मस्ती कर सके है, तो देर किस बात कि इस आर्टिकल में हम बताएंगे भारत की शानदार जगहें जिन्हें आप अपने घूमने का डेस्टिनेशन बना सकते हैं।

ऋषिकेश

योग नगरी के नाम से फेमस ऋषिकेश उत्तराखंड का एक शानदार और खूबसूरत हिल स्टेशन है। यहां पर जाना हर किसी का ड्रीम होता है। पहाड़ों का नजारा, झील, झरने, गंगा नदी और घने जंगल ऋषिकेश के आकर्षक केंद्र माना जाता है। यहां पर मस्ती और धमाल के लिए सबसे बढ़िया जगह है। इसी के साथ आप रिवर राफ्टिंग और ट्रेकिंग का बेहतरीन मजा उठा सकते हैं। ऋषिकेश में कैम्पिंग का लुत्फ उठा सकते हैं।

हम्पी

अगर आप दक्षिण भारत का टूर करना चाहते हैं तो आप अपने दोस्तों के साथ मार्च के महीने में हम्पी घूमने का प्लान बना सकते हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल आप मस्ती करने के लिए हम्पी जा सकते हैं। हम्पी शहर की नाइटलाइफ आपकी यात्रा में चार चांद लगा देगा। यहां पर स्थित पहाडियों और घाटियों का विशेष आकर्षक केंद्र है। हम्पी में विरुपाक्ष मंदिर, रानी का स्नानागार, मतंग हिल और लोटस महल जैसी बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जैसलमेर

जैसलमेर राजस्थान का प्रमुख शहर में से एक है, यहां एक लोकप्रिय पर्यटन भी स्थल है। थार रेगिस्तान की वजह से इसे गोल्डन शहर भी कहा जाता है। जैसलमेर राजस्थान का एक ऐसा शहर है, जहां आप अपने दोस्तों के साथ डेजर्ट सफारी का शानदार मजा लें सकते हैं। यहां पर आप ऊंट की सवारी भी कर सकते हैं। जैसलमेर में आप जैसलमेर फोर्ट, गडीसर झील और पटवों की हवेली जैसी शानदार जगहों पर घूम सकते हैं। इसके साथ ही आप राजस्थानी कल्चर और नृत्य देख सकते हैं इसके साथ ही राजस्थानी खाने का लुत्फ उठा सकते हैं।

गोवा

गोवा भारत की ऐसी जगह जहां लोग बीच का मजा और वाटर एक्टिविटीज करने के लिए प्लान बनाते हैं। गोवा में सुनहरे समुद्र तटों के लिए पूरे विश्व भर में फेमस है। इसके अलावा शानदार पार्टियां और नाइटलाइफ के बीच आप दोस्तो के साथ यादगार वैकेशन मना सकते हैं। मस्ती और धमाल के लिए गोवा में दूधसागर जलप्रपात, अंजुना बीच, वागाटोर बीच और बेसिलिका ऑफ बॉम जीसस जैसी खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष – व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। परिश्रम का अनुकूल फल मिलेगा।

वृष – यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। रोजगार मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ संभव है। जोखिम न लें। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

मिथुन – विवाद से क्लेश होगा। फालतू खर्च होगा। पुराना रोग परेशान कर सकता है। जोखिम न लें। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता प्राप्ति के योग हैं।

कर्क – बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल रहेंगे। जोखिम न उठाएं। आज का दिन आपके लिए शुभ रहने की संभावना है।

सिंह – मेहनत का फल मिलेगा। योजना फलीभूत होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। कर्ज से दूर रहना चाहिए। खर्च में कमी होगी। कानूनी विवादों का निपटारा आपके पक्ष में होने की संभावना है।

कन्या – चोट व रोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। क्रय-विक्रय के कार्यों में लाभ होगा। योजनाएं बनेंगी। उच्च और बौद्धिक वर्ग में विशेष सम्मान प्राप्त होगा।

तुला – कुसंगति से हानि होगी। वाहन मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, जोखिम न लें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। व्यापारिक लाभ होगा।

वृश्चिक – राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। जायदाद संबंधी समस्या सुलझने के आसार बनेंगे।

धनु – संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। धैर्य एवं शांति से वाद-विवादों से निपट सकेंगे। दुस्साहस न करें।

मकर – किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ होगा। धन संचय की बात बनेगी। परिवार के कार्यों पर ध्यान देना जरूरी है।

कुंभ – बुरी खबर मिल सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। थकान रहेगी। व्यापार-व्यवसाय संतोषप्रद रहेगा। आपसी संबंधों को महत्व दें।

मीन – मेहनत का फल कम मिलेगा। कार्य की प्रशंसा होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता रहेगी। संतान की शिक्षा की चिंता समाप्त होगी।

जन्म कुंडली में दूसरा घर द्वितीय भाव

जन्म कुंडली में द्वितीय भाव को मुख्यतः धन एवं कुटुंब का घर माना जाता है। इसके स्वामी को द्वितीयेश कहते हैं। जो भी धन हम कमाते हैं उसका संग्रह होगा या नहीं इसके लिए द्वितीय भाव को देखा जाता है। इसके अलावा द्वितीय भाव से कुमार (बचपन) अवस्था की बातें, प्रारंभिक शिक्षा, मुख, मुख की शोभा, बनावट, सुंदरता, कुरूपता, दाहिना आंख, वाणी इत्यादि के विषय में विचार किया जाता है।

वैवाहिक जीवन के लिए सप्तम के साथ द्वितीय भाव को भी देखा जाता है।

आंखों के निचे डार्क सर्किल या चेहरे पर दाग इत्यादि भी देखा जाता है।

चाहे कोई व्यक्ति कितना भी धन कमा लें यदि द्वितीय भाव कमजोर हो या पीड़ित हो और उस पर किसी मित्र ग्रह की दृष्टि ना हो तो ऐसे व्यक्ति के पास प्रायः धन का संग्रह नहीं हो पाता है एवं कुटुम्ब के सुख में कमी हो जाती है।

यदि किसी की कुंडली में द्वितीय भाव, द्वितीयेश और बुध तीनों ही पीड़ित हो जाते हैं तो ऐसे व्यक्ति को वाणी से संबंधित समस्या होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है।

द्वितीय भाव को मारक स्थान एवं उसके स्वामी को मारकेश भी कहते हैं। मारकेश का मतलब यह नहीं है कि जब भी इसकी दशा आएगी तो

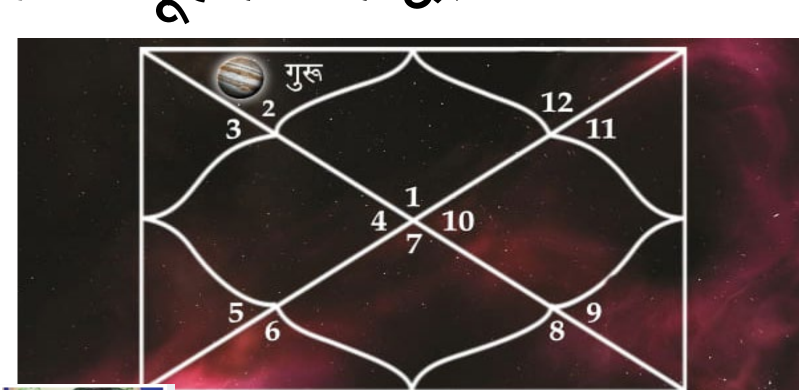

प्रियंका जैन
9769994439

मृत्यु हो जाएगी। जब आयु – मृत्यु का कालखंड (दीर्घ, माध्यम, अल्प) में द्वितीयेश की दशा में सप्तमेश, द्वादशेश आदि आयुनाशक ग्रहों की अंतर्दशा आती है तब मृत्यु का योग बनता है। अन्यथा शरीर को कष्ट भर देती है। वैसे भी जब जीवन है तो सुख-दुख और कष्ट चलता ही रहता है। इसलिए यदि द्वितीयेश कमजोर हो तो मृत्यु के डर से उसे कमजोर नहीं रहने देना चाहिए बल्कि उसको (कुंडली विश्लेषण कर के आवश्यकता के अनुसार) प्रबल करना चाहिए क्योंकि यदि प्रबल नहीं करेंगे तो धन का सुख भी नही प्राप्त होगा।

द्वितियेश कि स्थिति ठीक हो तो इसकी दशा अंतर्दशा में धन का श्रेष्ठ लाभ होत है।(मेरा मानना है की जब तक द्वितीयेश पीड़ित नहीं होगा ये किसी भाव, ग्रह को पीड़ित नहीं करेगा कोई परेशानी नहीं होती है।) कुंडली के द्वितिय भाव से और भी परिवार के विषय में सामान्य जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

माता का आमदनी का भाव, पिता के विद्या बुद्धि का भाव, पत्नी के आयु का भाव संतान के कर्म का भाव इत्यादि।

'भू-माफियाओं को उल्टा लटकाकर सीधा करेंगे'

पालीगंज में कांग्रेस और लालू यादव पर बरसे अमित शाह

एजेंसी । पटना

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सूबे में एनडीए की सरकार बनने के बाद पहली बार बिहार पहुंचे हैं। शनिवार को पटना के पालीगंज में जनसभा को उन्होंने संबोधित किया। बीजेपी ओबीसी मोर्चा की तरफ से इस जनसभा का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी तादाद में लोगों शामिल हुए। पालीगंज में जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। राजद और कांग्रेस को उन्होंने निशाने पर लिया। लालू यादव पर हमला करते हुए अमित शाह ने कहा कि उनकी पार्टी को चेताने आया हूं।

पालीगंज में अमित शाह की हुंकार

पालीगंज में गृह मंत्री अमित शाह ने जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने बिहार को चंद्रगुप्त, चाणक्य व वीर नेताओं की भूमि बताया। गृह मंत्री ने कहा कि हम जब-जब आए बिहार की जनता ने हमारी झोली कमल से भर दे। लोकसभा चुनाव 2024 में बिहार की 40 की 40 सीटें एनडीए की झोली में डालने का आग्रह गृह मंत्री ने किया। इतने सालों से कांग्रेस व लालू यादव सत्ता में रहे। इन्होंने कर्पूरी ठाकुर का सम्मान नहीं किया। पिछड़ा वर्ग के हितैसी जननायक कर्पूरी ठाकुर को पीएम नरेंद्र मोदी ने भारत रत्न दिए।

परिवारवाद पर हमला, निशाने पर लालू यादव व सोनिया गांधी

परिवारवाद पर हमला करके अमित शाह ने कांग्रेस व लालू यादव को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी का एकमात्र लक्ष्य राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना है तो लालू जी का एकमात्र लक्ष्य अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना है। पिछड़ा, अति पिछड़ा व दलित वर्ग का भला केवल नरेंद्र मोदी व भाजपा कर सकती है।

पुलिस-तस्करों के बीच हुई मुठभेड़

दो अंतरजनपदीय गो-तस्कर गिरफ्तार

कुशीनगर। पुलिस की संयुक्त टीम व पिकअप सवार गो-तस्करों के बीच शनिवार तड़के साढ़े तीन बजे हाटा कोतवाली के छपरा भगत के समीप गोरखपुर-कसया मार्ग पर मुठभेड़ हो गई। इसमें पैर में गोली लगने से एक तस्कर घायल हो गया, जबकि एक को पुलिस ने दौड़ाकर पकड़ लिया। घायल की पहचान देवरिया जिले के तरकुलवा थाने महुआपाटन बाजार के कमरो होदा उर्फ भिंगूर के रूप में हुई। उसके पास से तमंचा व कारतूस मिला है। तस्कर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी ने अस्पताल पहुंच जानकारी ली।

सांसद रवि किशन ने किया सीएम योगी की तारीफ

गोरखपुर। गोरखपुर में एनसीसी ट्रेनिंग एकेडमी के शिलान्यास समारोह को लेकर सांसद रविकिशन ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यूपी का विकास और यहां के लोगों का भविष्य संवारने के लिए सीएम योगी प्रतिदिन 18 घंटे कार्य करते हैं। उन्होंने गोरखपुर को विकास के नक्शे पर चमका दिया है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए विधायक विपिन सिंह ने कहा कि सीएम योगी के मार्गदर्शन में गोरखपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र को लगातार एक से बढ़कर एक सौगात मिल रही है। एनसीसी के अपर महानिदेशक मेजर जनरल विजय विक्रम कुमार ने एनसीसी परिवार की तरफ से सीएम योगी का स्वागत किया और एनसीसी की गतिविधियों पर प्रकाश डाला

भाजपा ने एमएलसी प्रत्याशियों की जारी की लिस्ट

सात लोगों के नामों की घोषणा, तीन उम्मीदवारों को किया रिपीट

लखनऊ। लोकसभा चुनाव से पहले यूपी विधान परिषद की 13 सीटों पर भाजपा ने एमएलसी प्रत्याशियों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में भाजपा ने सात उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। भाजपा ने एमएलसी चुनाव के लिए विजय बहादुर पाठक, महेंद्र कुमार सिंह, अशोक कटारिया, मोहित बेनीवाल, धर्मेन्द्र सिंह, रामतीरथ सिंघल, संतोष सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है। विजय बहादुर पाठक, महेंद्र कुमार सिंह और अशोक कटारिया को भाजपा ने रिपीट किया है। ये तीनों वर्तमान में एमएलसी हैं। बतादें कि विधान परिषद की 13 सीटें पांच मई को रिक्त होने जा रही है। इसमें 10 सीटें भाजपा और एक उसके सहयोगी अपना दल (एस) के पास थीं। जबकि एक-एक सीट सपा और बसपा के पास है। संख्या बल के हिसाब से इस बार भाजपा और उसके सहयोगी दल के हिस्से 10 सीटें आएंगी। एक सीट से अपना दल (एस) से आशीष पटेल का परिषद जाना तय है।

पार्टी एमएलसी प्रत्याशियों के जरिए भी सामाजिक समीकरण साधने का प्रयास करेगी। यही कारण है कि जातीय समीकरण के लिहाज से ही नामों का पैनल दिल्ली भेजा गया था। इस पैनल में अधिकांश मौजूदा विधान परिषद सदस्यों के साथ ही कुछ प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहित कुछ अन्य नेताओं के नाम शामिल किए गए थे। इसमें तीन महिला प्रदेश पदाधिकारियों के नाम भी थे।

इनका कार्यकाल हो रहा खत्म

भाजपा से विजय बहादुर पाठक, डॉ. महेंद्र सिंह, अशोक कटारिया, निर्मला पासवान, बुक्कल नवाब, मोहसिन रजा, विद्या सागर सोनकर, डा. सरोजनी अग्रवाल, अशोक धवन और यशवंत के नाम शामिल हैं। जबकि अपना दल (एस) से आशीष पटेल का कार्यकाल खत्म हो रहा है। वहीं दूसरी ओर सपा के प्रदेश उत्तम नरेश चंद्र उत्तम और बसपा के इकलौते एमएलसी भीमराव आंबेडकर का कार्यकाल भी 5 मई को खत्म हो जाएगा।

कुट्टू का आटा खाने से बच्चों सहित 20 बीमार

नोएडा। नोएडा सेक्टर-49 स्थित बरौला औक सेक्टर-45 स्थित सदरपुर गांव में महाशिवरात्रि के पर्व व्रत के दौरान कुट्टू के आटे की पकौड़ी और पूड़ी खाने से बच्चों सहित 20 से अधिक लोगों की तबीयत बिगड़ गई। उल्टी-दस्त व शरीर में कंपन होने पर बीमार हुए लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचे। अधिकांश की हालत गंभीर होने पर अस्पतालों में भर्ती किया गया है। डॉक्टरों ने फूड प्वाइजनिंग होने की बात कही है।

जांच में जुटी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम मामले की जांच में जुटी हुई है। जांच पर पता चला है कि बीमार हुए लोगों ने अभी प्योर नामक कंपनी का बना व्रत का आटा खरीदा अलग-अलग दुकानों से खरीदा था। विभाग और सेक्टर-49 कोतवाली पुलिस की टीम दुकानदारों की पहचान कर रही है। स्वजन का कहना है कि शुक्रवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर व्रत रखने वाले शिव भक्तों ने बाजार से खरीद कर कुट्टू के आटे से बनी पकौड़ियां एवं पूड़ी का प्रसाद खाया था।

दहेज के लिए ससुरालवालों ने गर्भवती बहू को जहर देकर मार डाला

एजेंसी । गुमला

झारखंड के गुमला जिले के कतरी गांव में दहेज नहीं देने पर गर्भवती तरन्नुम खातून (19 वर्ष) को ससुरालवालों ने जहर देकर मार डाला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मृतका के शरीर में कई जगह चोट के निशान हैं। पुलिस ने विवाहिता के पिता अंबवा गांव निवासी मो शमशेर अंसारी के लिखित आवेदन पर केस दर्ज कर लिया है। महिला थानेदार अंकिता कुमारी साहू ने कहा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

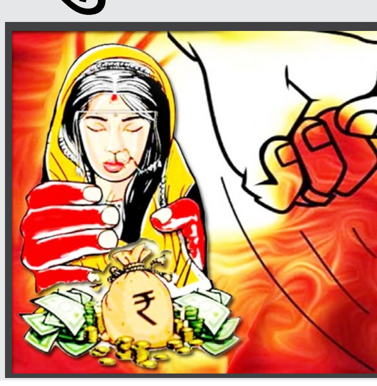

पति, सास-ससुर समेत अन्य के खिलाफ केस

आवेदन में पिता ने मृतका के पति तबरेज खान, सास सबीरन बीबी, ननद अख्तरी खातून, सरवरी खातून, देवर परवेज खान, अफरीदी खान, ससुर सदर खान के विरूद्ध नामजद केस दर्ज कराया है। आवेदन में कहा है कि मेरी बेटी तरन्नुम परवीन का विवाह जून 2023 में कतरी निवासी तबरेज खान के साथ हुआ था। शादी के दो माह बाद ही मेरा दामाद व उसकी ससुराल वाले दहेज की मांग को लेकर मारपीट करने लगे। इसे लेकर कतरी अंजुमन में पंचायत हुई थी, पर कुछ दिन बाद ही मेरा दामाद तबरेज खान एक लाख रुपए व अपाची बाइक की मांग करने लगा। मेरे द्वारा समझाने पर वह कतरी से मद्रास भाग गया। तब से मेरी बेटी के साथ उसकी सास, ननद, देवर व ससुर मारपीट करने लगे।

गर्भवती महिला को ससुरालवालों ने मारपीट कर खिलाया जहर

मृतका के पिता के अनुसार वह चार माह की गर्भवती थी। गुरुवार की सुबह 10 ।30 बजे समधन सबीरन बीबी उर्फ बर्री बीबी ने फोन कर कहा कि आपकी बेटी बीमार है। सदर अस्पताल गुमला में एडमिट कराना है। जल्दी आइए। पालकोट के नाथपुर में मैं काम कर रहा था। तब मैं रिश्ते में भाई लगने वाले मो सरवर आलम को सदर अस्पताल भेजा। वह मेरी बेटी को अस्पताल में भर्ती कराया। उसने बताया कि मेरी बेटी के मुंह से झाग निकल रहा था। उल्टी भी कर रही थी।

राजस्थान

राजस्थान में फिर होगी पेट्रोल-डीजल के लिए मारामारी

जयपुर। राजस्थान के पेट्रोलियम डीलरों ने टैक्स कम करने की मांग को लेकर राज्य भर में हड़ताल की घोषणा की है। विरोध के तहत 10 मार्च (सुबह 6 बजे) से 12 मार्च (सुबह 6 बजे) तक राज्य भर में पेट्रोल पंप बंद रहेंगे। इस मामले पर बोलते हुए राजस्थान पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र सिंह भाटी ने कहा कि राज्य में ईंधन पर अधिक वैट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि डीलर्स के कमीशन में भी लंबे समय से कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। उन्होंने कहा, उच्च वैट का असर न केवल पंप ऑपरेटरों पर बल्कि जनता पर भी पड़ा है। हम बार-बार राज्य सरकार से वैट कम करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दिया गया। राजस्थान से सटे पड़ोसी राज्यों में काफी सस्ता पेट्रोल मिल रहा है, जिसके चलते कई वाहन चालक उन राज्यों से पेट्रोल भरवाते हैं।

गंभीर रोगों से पीड़ित बच्चों को रोडवेज बसों में नि:शुल्क यात्रा

जयपुर। दुर्लभ रोगों से ग्रसित बच्चों की समस्याओं के समाधान को लेकर रोडवेज प्रशासन ने एक विशेष पहल की है। मस्कुलर डिस्ट्रॉफी से पीड़ित बच्चों के साथ उनके एक सहयोगी को अब रोडवेज बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा देने के लिए प्रस्ताव सरकार को भिजवाया गया है।।

इस प्रस्ताव को जल्द ही मंजूरी मिलने की संभावना है।रोडवेज प्रशासन ऐसी करीब 14 श्रेणियों में रियायती यात्रा की सुविधा दे रहा है। चिकित्सा विभाग की अनुशंसा के आधार पर रोडवेज प्रशासन ने रोडवेज बसों में दुर्लभ रोगों से ग्रसित बच्चों के साथ उनके एक परिजन को निःशुल्क यात्रा की सुविधा के लिए प्रस्ताव भिजवाया है।

रोडवेज प्रशासन ने परिवहन विभाग के मार्फत राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजा है। इसमें मस्कुलर डिस्ट्रॉफी रोग से पीड़ित बच्चों के साथ उनके एक परिजन को निःशुल्क यात्रा कराने के लिए अनुशंसा की गई है। मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के रोगी की शारीरिक स्थिति अत्यधिक कमजोर होने के कारण एक सहयोगी का साथ होना जरूरी है।

RCA के अध्यक्ष बनें धनंजय सिंह

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को नया अध्यक्ष मिल चुका है, अब आरसीए की कमान धनंजय सिंह को सौंपी गई है। देखना होगा कि बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद धनंजय आरसीए में क्या बड़े बदलाव कर पाते हैं। हालांकि अपने बयान में उन्होंने एक सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। राजस्थान क्रिकेट संघ में वैभव गहलोत के अध्यक्ष पद से इस्तीफे के बाद धनंजय सिंह बने कार्यकारी अध्यक्ष। आईपीएल में हस्तक्षेप RCA का MOU वापस करवाने की प्लानिंग के साथ आगे बढ़ेंगे।

जयपुर के के एल सैनी स्टेडियम में आज आरसीए ने पहले Ec यानी एग्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक आयोजित की। जिसमें वैभव गहलोत का इस्तीफा स्वीकार किया गया।साथ ही कार्यकारी अध्यक्ष के तौर पर नागौर जिला क्रिकेटसंघ के धनंजय सिंह को जिम्मेदारी दी गई।

न्यूज़ ब्रीफ

सरकार बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की बना रही योजना

नई दिल्ली। सरकार इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बना रही है। इसका उपयोग कीमत बढ़ने की स्थिति में उसे काबू में करने के लिए किया जा सकता है। सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि सरकार की तरफ से एनसीसीएफ (नेशनल कॉअपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लि.) और नैफेड (नेशनल एग्रीकल्चरल कॉअपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लि.) जैसी एजेंसियां प्याज की खरीद करेंगी। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने पिछले साल पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाया था। इसमें से एक लाख टन अभी भी उपलब्ध है। सूत्रों ने कहा कि अपने 'बफर स्टॉक' से रियायती दर पर प्याज बेचने के सरकार के फैसले से कीमतों को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

वैष्णव ने स्वदेशी 2.4 टीबीपीएस राउटर विकसित करने पर निवेटी सिस्टम्स की सराहना की

बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को स्वदेशी रूप से विकसित 2.4 टीबीपीएस राउटर के लिए निवेटी सिस्टम्स की सराहना की। उन्होंने इसे देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। वैष्णव के पास इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार, सूचना प्रौद्योगिकी और रेलवे विभाग हैं। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, 'मैं एक बहुत ही विशेष उद्देश्य के लिए बेंगलुरु आया हूं। स्वदेश में विकसित पहला 2.4 टीबीपीएस राउटर। यह कोई छोटी बात नहीं है। यह वास्तव में हमारे देश के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।' वैष्णव ने कहा, 'यह वास्तव में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है, जिसे हमने हासिल किया है।' उन्होंने इच्छा जताई कि आने वाले महीनों में देश में ऐसे हजारों उत्पाद तैयार होंगे और निवेटी 2.4 टीबीपीएस एक ऐसा उत्पाद बने जो दुनिया भर में निर्यात किया जाए। वैष्णव ने रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और उन्हें बढ़ाने पर स्पष्ट ध्यान है।

सरकारी बैंकों को गोल्ड लोन रिव्यू करने का आदेश

रिपोर्ट्स में दावा-दो बैंक के लोन प्रोसेस में गड़बड़ियां मिली

IIFL पर कार्रवाई कर चुका है RBI

एजेंसी । नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय ने इस हफ्ते सरकारी बैंकों को उनकी गोल्ड लोन बुक्स की समीक्षा करने को कहा है। इकोनॉमिक टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि चिंता की बात यह है कि सोने की कीमत में उछाल के बाद लैंडर्स (लोन देने वाले) मौजूदा लोन के ऊपर टॉप-अप लोन देना शुरू कर दिया है। वित्त मंत्रालय के फाइनेंशियल्स सर्विसेज डिपार्टमेंट (DFS) ने सभी सरकारी बैंकों को 1 जनवरी 2022 से हर गोल्ड लोन खाते की समीक्षा करने, कोलैटरल का एस्टीमेट एस्टीमेट बनाने, कलेक्शन चार्ज की समीक्षा करने और सभी चीजों की जांच करने के लिए कहा है। DFS ने 27 फरवरी को लेटर भेजकर बैंकों को ये आदेश दिए हैं।

साल-दर-साल 17% बढ़ा गोल्ड लोन

साल-दर-साल आधार पर गोल्ड लोन में 17% की बढ़ोतरी देखने को मिली है। जबकि, गोल्ड की कीमत में 16.6% की तेजी देखने को मिली है। 26 जनवरी तक गोल्ड की ज्वेलरी के बदले लोन 1,01,934 करोड़ था। वहीं, 7 मार्च को 10 ग्राम सोना पहली बार 65 हजार के पार किया है।

IIFL के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में मिली थीं 4 बड़ी कमियां

- लोन की मंजूरी और डिफॉल्ट पर नीलामी के समय सोने की शुद्धता और वजन की जांच में गड़बड़ी थी।
- लोन-टू-वैल्यू रेश्यो का भी उल्लंघन हो रहा था। यानी, लिमिट से ज्यादा लोन का डिसबर्सल हो रहा था।
- कैश में लोन के डिसबर्सल और कलेक्शन की जो लिमिट है, उसका भी उल्लंघन कंपनी कर रही थी।

दो सरकारी बैंक ने लोन के प्रोसेस में गड़बड़ियां की

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दो बड़े सरकारी बैंकों ने गोल्ड लोन के प्रोसेस में गंभीर गड़बड़ियां की हैं। कुछ मामलों में 18 कैरेट सोने की ज्वैलरी को रिकॉर्ड्स में 22 कैरेट के तौर पर दिखाया गया है। ऐसा सोने की वैल्यू बढ़ाकर ज्यादा गोल्ड लोन देने की कोशिश के लिए किया गया था। हालांकि, वित्त मंत्रालय की ओर से ऑफिशियल तौर पर इस बात की कोई भी जानकारी नहीं दी गई है।

इसी हफ्ते RBI ने IIFL को नए गोल्ड लोन देने से रोका था

इसी हफ्ते RBI ने IIFL फाइनेंस पर नए गोल्ड लोन देने से रोक लगाई है। IIFL के गोल्ड लोन पोर्टफोलियो में कई तरह की अनियमितताएं मिली है। RBI ने कहा था- पिछले कुछ महीनों से सेंट्रल बैंक इन कमियों पर कंपनी के सीनियर मैनेजमेंट और ऑडिटर्स के साथ बातचीत कर रहा था, लेकिन अब तक कोई सार्थक सुधारात्मक कार्रवाई सामने नहीं आई। ऐसे में ग्राहकों के समग्र हित में ये प्रतिबंध जरूरी था।

सरकार ने कुछ निर्यात इकाइयों को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से छूट दी

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने शुक्रवार को अग्रिम स्वीकृति रखने वाली और निर्यात-उन्मुख इकाइयों (ईओयू) को निर्यात के लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग होने वाले आयातित वस्तुओं को अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेश से छूट दे दी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना में कहा कि यह छूट पूर्व-आयात शर्तों के साथ होगी और उस कच्चे माल का उपयोग निर्यात उत्पादों के विनिर्माण में ही किया जाएगा।

अधिसूचना के मुताबिक, ''अग्रिम स्वीकृति रखने वाले और ईओयू द्वारा आयातित कच्चे माल को अनिवार्य गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) से छूट देने के लिए उपयुक्त प्रावधान किए गए हैं।''

खाद्य पदार्थों की कीमतें नियंत्रित करने के लिए केंद्र सभी उपाय करेगा: गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि केंद्र सरकार प्याज से लेकर टमाटर और दालों जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने किसी भी अस्थायी बढ़ोतरी के कुछ दिनों के भीतर दरों को नियंत्रित करने के मोदी सरकार के पिछले रिकॉर्ड का हवाला दिया। गोयल के पास खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों का मंत्रालय भी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना जारी रखेगी कि 'हमारी नारी-शक्ति' के घरेलू बजट पर कोई तनाव न हो।

भारत, ईएफटीए करेंगे मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह 'ईएफटीए' वस्तुओं, सेवाओं और निवेश में परस्पर व्यापार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस समझौते को सात मार्च को केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी मिल गई। भारत और ईएफटीए आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए जनवरी, 2008 से आधिकारिक तौर पर व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। समझौते में 14 अध्याय हैं। इनमें माल में व्यापार, उत्पत्ति के नियम, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर), सेवाओं में व्यापार, निवेश प्रोत्साहन और सहयोग, सरकारी खरीद, व्यापार में तकनीकी बाधाएं और व्यापार सुविधा शामिल हैं। ईएफटीए के कनाडा, चिली, चीन, मैक्सिको और कोरिया सहित 40 भागीदार देशों के साथ 29 एफटीए हैं।

BCCI ने टेस्ट प्लेयर्स की मैच फीस बढ़ाई: एक सीजन में 75% मैच खेलने वाले खिलाड़ी को मिलेंगे एक मैच के 45 लाख

एजेंसी । मुंबई

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने टेस्ट खेलने वाले अपने खिलाड़ियों की मैच फीस बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। सीजन के 75% मैच खेलने वाले खिलाड़ियों को एक टेस्ट खेलने के 45 लाख रुपए मिलेंगे। वहीं 50% से 74% खेलने वाले खिलाड़ियों को 30 लाख मिलेंगे। BCCI ने यह ऐलान शनिवार को टीम इंडिया के धर्मशाला टेस्ट जीतने के बाद किया। यह मैच फीस सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट के अलावा मिलेगी। हाल ही में एक रिपोर्ट आई थी जिसमें BCCI द्वारा खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट की ओर आकर्षित करने के लिए फीस बढ़ाने के साथ-साथ इंशेटिव राशि बढ़ाने की बात कही गई थी। BCCI की योजना IPL 2024 के बाद टेस्ट मैच फीस में बढ़ोतरी और इंसेटिव स्कीम को लागू करने की थी। लेकिन, बोर्ड ने धर्मशाला जीत के बाद ही ऐलान कर दिया।

कई खिलाड़ी टी-20 खेलने में लगे

भारत ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड को पारी और 64 रन से हारा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 4-1 से जीत ली। HPCA स्टेडियम में गुरुवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। पहली पारी में इंग्लैंड 218 और टीम इंडिया 477 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत को दूसरी पारी में 259 रन का बढ़त मिली, इंग्लैंड टीम 195 रन पर ही सिमट गई। इस तरह इंग्लिश टीम को पारी और 64 रन से हार का सामना करना पड़ा। अपना 100वां टेस्ट खेल रहे रविचंद्रन अश्विन ने मैच में 9 विकेट लिए। पिछले दिनों BCCI ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में शामिल खिलाड़ियों को लेकर वॉर्निंग दी थी। बोर्ड ने कहा था कि जो खिलाड़ी फिट हैं और नेशनल टीम का हिस्सा नहीं हैं तो उन्हें घरेलू क्रिकेट खेलना ही होगा। इसके बावजूद ईशान किशन, क्रुणाल पंड्या और दीपक चाहर जैसे खिलाड़ियों ने अपने स्टेट के लिए रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला। ईशान, क्रुणाल और चाहर ने फरवरी में ही IPL की तैयारी करना शुरू कर दिया। ईशान मुंबई इंडियंस, पंड्या लखनऊ सुपरजायंट्स और चाहर चेन्नई सुपरकिंग्स से खेलते हैं।

खेल के मैदानों से

घुड़दौड़: गोल्डन नील बेहतर

मुंबई। रविवार शाम महालक्ष्मी रेसकोर्स पर आयोजित मुंबई घुड़दौड़ सत्र के विशेष दिन की मुख्य दौड़ आर एन कांगा ट्रॉफी में नरेन्द्र लागाड़ द्वारा प्रशिक्षित गोल्डन नील की स्थिति बेहतर है और उसके जीत की संभावना है। कुल आठ दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। पहली दौड़ शाम चार बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार है: 1-मिडाज टच (प्र.), कॉयन एम्प्रेस (द्वि.), 2- गोल्डन नील (प्र.), कोर डि लियोन (द्वि.), 3- क्विकर (प्र.), माईटी स्पैरो (द्वि.), 4- एटन स्क्वैयर (प्र.), एन्जलो (द्वि.), 5- शम्बाला (प्र.), सब्ससेन्शिएल (द्वि.), 6- डेक्सा (प्र.), ऑयरिश गोल्ड (द्वि.), 7- व्हॉट्सइननेम (प्र.), फेनम (द्वि.), 8- कॉन्स्टेबल (प्र.), सुप्रीम स्पिरीट (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम- डेक्सा।

मंगलौर ब्ल्युज ने जीता खिताब

मुंबई। मंगलौर ब्ल्युज स्पोर्ट्स क्लब ने फाइनल में कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लब को 2-0 से पराजित करके 26वें रामनाथ पय्याड़े मेमोरियल लीग-कम नॉकआउट फुटबॉल प्रतियोगिता 2023-24 का खिताब अपने नाम कर लिया। क्रॉस मैदान स्थित केएसए मैदान पर खेले गए फाइनल में पूर्व विजेता कर्नाटक स्पोर्ट्स क्लब का पलड़ा भारी नजर आ रहा था, लेकिन मंगलौर ब्ल्युज स्पोर्ट्स क्लब के खिलाड़ियों के दृढ़निश्चय खेल ने सारी बाजी पलट दी और राहुल अलमेड़ा और उमेश राठौड़ द्वारा किए गए गोल की मदद से मंगलौर ब्ल्युज स्पोर्ट्स क्लब की टीम पहला स्थान हासिल करने में सफल रही।

भारत ने इंग्लैंड को हराकर 4-1 से अपने नाम की सीरीज

- रोहित ने अपने टेस्ट करियर का 12वां शतक लगाया
- रोहित ने बतौर सलामी बल्लेबाज लगाया अपना 43वां अंतरराष्ट्रीय शतक
- गिल ने लगाया अपने टेस्ट करियर का चौथा शतक
- जायसवाल, सरफराज और पडिक्कल ने लगाए अर्धशतक

एजेंसी । धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम ने धर्मशाला टेस्ट में इंग्लैंड क्रिकेट टीम को पारी और 64 रन से हरा दिया है। पहली पारी के आधार पर 259 रन से पिछड़ने वाली इंग्लिश टीम अपनी दूसरी पारी में भी कमाल नहीं दिखा सकी और 195 रन पर ही सिमट गई। इस जीत के साथ ही भारत ने रोहित शर्मा के नेतृत्व में खेलते हुए सीरीज को 4-1 से अपने नाम किया है। मैच के पहले दिन के आखिरी सत्र में रोहित ने अपना अर्धशतक पूरा किया था। वह स्टम्प्स तक 52 रन बनाकर नाबाद थे। दूसरे दिन पहले सत्र में रोहित ने अपनी पारी को शतक में तब्दील किया। उन्होंने जायसवाल के साथ पहले विकेट के लिए 104 और गिल के साथ दूसरे विकेट के लिए 171 रन जोड़े। वह पारी में 162 गेंदों में 103 रन बनाकर बेन स्टोक्स का शिकार हुए। उन्होंने 13 चौके और 3 छक्के जड़े।

रोहित ने बतौर सलामी बल्लेबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में (सभी प्रारूपों को मिलाकर) अपना 43वां शतक लगाया है। वह तीसरे सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाले सलामी बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज क्रिस गेल (42) को पीछे छोड़ा है। सलामी बल्लेबाज के रूप में रोहित से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय शतक सिर्फ ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर (49) और पूर्व महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर (43) ने लगाए हुए हैं। भारत ने जब 104 रन के स्कोर पर जायसवाल का विकेट गंवाया था, तब गिल क्रीज पर आए। उन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली और 64 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने कमजोर गेंदों पर आकर्षक शॉट लगाए और अर्धशतक को शतक में तब्दील किया। उन्होंने रोहित के साथ दूसरे विकेट के लिए 171 रनों की साझेदारी निभाई। वह 150 गेंदों में 110 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 12 चौके और 5 छक्के भी जड़े। इस सीरीज में रनों का अम्बार लगा चुके जायसवाल ने 58 गेंदों पर 57 रन बनाए। ये उनका चौथा टेस्ट अर्धशतक रहा। अपने पहले टेस्ट की पहली पारी में पडिक्कल ने प्रभावित किया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 105 गेंदों पर 65 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सरफराज 60 गेंदों में 56 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने 8 चौके और 1 छक्का भी लगाया। जेम्स एंडरसन ने 2 विकेट चटकाए और इस बीच अपने 700 टेस्ट विकेट भी पूरे किए। वह इस आंकड़े तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बने हैं। मैच के तीसरे दिन कुलदीप उनका 700वां शिकार बने।

भारत ने दर्ज की बड़ी जीत

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मेहमान टीम सिर्फ 218 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में भारत ने रोहित शर्मा (103) और शुभमन गिल (110) के शतकों की मदद से 477 रन बनाते हुए मजबूत बढ़त हासिल की। भारत की पारी में यशस्वी जायसवाल (57), देवदत्त पडिक्कल (65) और सरफराज खान (56) ने अर्धशतक लगाए। इंग्लिश टीम दूसरी पारी में रविचंद्रन अश्विन (5/77) की फिरकी के सामने सिमट गई। इंग्लैंड से जो रूट ने संघर्षपूर्ण पारी (84) खेली।

अश्विन सर्वाधिक 5 विकेट हॉल लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने

अश्विन ने दूसरी पारी में 5 विकेट हॉल लिया और उन्होंने इस मामले में अनिल कुंबले को पीछे छोड़ दिया है। बता दें कि कुंबले ने 132 टेस्ट में 35 बार पारियों में कम से कम 5 विकेट चटकाए हैं। अश्विन अब संयुक्त रूप से तीसरे सर्वाधिक 5 विकेट हॉल लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने सर रिचर्ड हेडली (36) की बराबरी की है। अश्विन से ज्यादा 5 विकेट हॉल सिर्फ मुरलीधरन (67) और वॉर्न (37) ने लिए हैं। अश्विन 100वें टेस्ट में 5 विकेट हॉल लेने वाले भारत के दूसरे और विश्व के सिर्फ चौथे गेंदबाज बन गए। वह मुरलीधरन, वार्न और कुंबले की सूची में शामिल हो गए हैं।

जायसवाल ने बनाए ये रिकॉर्ड्स

जायसवाल ने इस सीरीज में 5 मैचों की 9 पारियों में 89 .00 की औसत के साथ 712 रन बनाए। इस बीच उन्होंने लगातार 2 दोहरे शतक लगाने का कारनामा भी किया। वह इंग्लैंड के खिलाफ किसी टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने विराट कोहली का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2016-17 में 655 रन बनाए थे। धर्मशाला टेस्ट के दौरान उन्होंने अपने 1,000 टेस्ट रन भी पूरे किए।

कुलदीप ने पूरे किए अपने 50 टेस्ट विकेट

कुलदीप ने इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान 5 और दूसरी पारी में 2 विकेट लिए। इस बीच उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 50 विकेट पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाले भारत के 43वें खिलाड़ी बने हैं। बेयस्टो उनका 50वां शिकार बनें। वह टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज (गेंदों के मामले में) 50 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज बने हैं। उन्होंने 1,871 गेंदों में यह आंकड़ा छूआ है।

हैमिल्टन मसाकाद्जा ने जिम्बाब्वे क्रिकेट डायरेक्टर का पद छोड़ा

हरारे। पूर्व क्रिकेटर हैमिल्टन मसाकाद्जा ने जिम्बाब्वे क्रिकेट (ZC) के डायरेक्टर का पद छोड़ दिया है। उनकी टीम 2024 के टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर सकी, इसीलिए मसाकाद्जा ने यह फैसला लिया। 3 महीने पहले टीम के कोच डैव हटन ने भी अपना पद छोड़ दिया था।

टीम टी-20 वर्ल्ड कप में नहीं पहुंच सकी

मसाकाद्जा ने 2019 में क्रिकेट से रिटायरमेंट लिया था। उन्हें फिर इसी साल अक्टूबर में डायरेक्टर का पद सौंप दिया गया। मसाकाद्जा ने अपने रेजिग्नेशन लेटर में लिखा, 'मैंने जिम्बाब्वे क्रिकेट की सक्सेस और असफलता को देखने के बाद बहुत ध्यान से पद छोड़ने का फैसला किया। मेरे करियर में टीम को सफलता मिली लेकिन टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाना निराशाजनक है। हम एकमात्र फुल मेंबर टीम है, जो टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लेगी। युगांडा के खिलाफ हारना टीम और मेरे करियर का सबसे खराब फेज है। मैं इस बात की पूरी जिम्मेदारी लेकर अपने पद को छोड़ता हूं। मसाकाद्जा ने कहा, 'मेरे लिए यह फैसला लेना मुश्किल था लेकिन मैं अब भी जिम्बाब्वे क्रिकेट से जुड़ा रहूंगा। 2026 में होने वाले अंडर-19 वर्ल्ड कप और 2027 के वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी पर अब भी मेरा फोकस रहेगा।' 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जिम्बाब्वे, नामीबिया और साउथ अफ्रीका की मेजबानी में आयोजित होगा। जबकि 2026 का अंडर-19 वर्ल्ड कप जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में खेला जाएगा। मसाकाद्जा 2019 से 2024 तक जिम्बाब्वे क्रिकेट के डायरेक्ट रहे।

हुसामुद्दीन विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर से बाहर

बस्तो। भारत के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन की चोट से उबरने के बाद वापसी निराशाजनक रही और वह यहां पहले विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में पुरुषों के 57 किग्रा भार वर्ग में आयरलैंड के जूड गैलाघेर से 0-4 से हार गए। हुसामुद्दीन को पहले दौर में बाइ मिली थी। वह विश्व चैंपियनशिप 2023 के क्वार्टर फाइनल के दौरान बायें घुटने में लगी चोट के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। हुसामुद्दीन को लय हासिल करने में समय लगा और उन्होंने बर्मिंघम

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन गैलाघेर को बढ़त हासिल करने का मौका दिया।

देवेंद्र झाझरिया निर्विरोध चुने गए पीसीआई अध्यक्ष

नई दिल्ली। पैरालंपिक में दो स्वर्ण पदक जीतने वाले देवेंद्र झाझरिया शनिवार को निर्विरोध भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष चुने गये। वह एक और मशहूर पैरा एथलीट दीपा मलिक की जगह लेंगे। 2004 एथेंस और 2016 रियो पैरालंपिक में एफ 46 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीतने वाले 42 वर्षीय झाझरिया इस शीर्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार थे। बल्कि सभी नये पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए। पीसीआई के चुनाव अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, दो संयुक्त सचिव और पांच कार्यकारी समिति सदस्यों के पदों के लिए हुए।

मुंबई की निगाह 42वें खिताब पर

विदर्भ से मिलेगी कड़ी चुनौती

एजेंसी । मुंबई

अजिंक्य रहाणे जैसे कुशल कप्तान के नेतृत्व में मुंबई की टीम रविवार से यहां शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी फाइनल में विदर्भ की कड़ी चुनौती से पार पाकर अपना 42वां खिताब जीतने की कोशिश करेगी। रहाणे की अगुवाई में भारत ने तीन सत्र पहले ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीती थी। वह अभी राष्ट्रीय टीम से बाहर हैं और घरेलू स्तर पर भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं लेकिन इससे उनके कप्तानी कौशल को कम करके नहीं आंका जा सकता है। रहाणे ने रणजी ट्रॉफी के वर्तमान सत्र में अभी तक 13.4 की औसत से केवल 134 रन बनाए हैं। मुंबई का रणजी ट्रॉफी में यह 48वां फाइनल है जिसमें उसे चोटिल सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में खेल रहे सरफराज खान की सेवाएं नहीं मिलेगी। श्रेयस अय्यर हालांकि इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। अय्यर को रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलने के कारण बीसीसीआई का वार्षिक अनुबंध गंवाना पड़ा था।

मनोरंजन

'सनकी' का ऐलान

जाने-माने निर्देशक साजिद नाडियाडवाला लंबे समय से फिल्म सनकी को लेकर सुर्खियों में थे। 2020 से उनकी यह फिल्म चर्चा में है और अभिनेता वरुण धवन का नाम भी फिल्म से कई बार जुड़ा। अब आखिरकार फिल्म का आधिकारिक रूप से ऐलान हो गया है। साजिद की इस फिल्म में अभिनेत्री पूजा हेगड़े नजर आएंगी और उनके साथ नजर आएंगे सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी। फिल्म की रिलीज तारीख भी सामने आ गई है। साजिद के साथ अहान और पूजा ने भी सोशल मीडिया पर अपनी इस फिल्म का ऐलान कर दिया है। तीनों की तस्वीर साझा कर कैप्शन में लिखा गया है, 'वैलेंटाइन डे पर 'सनकी' सिनेमाघरों पर कब्जा करने के लिए तैयार हैं।' पोस्ट के जरिए बताया गया है कि फिल्म अगले साल वैलेंटाइन डे के मौके पर सिनेमाघरों में आएगी। रजत अरोड़ा ने इस फिल्म की कहानी लिखी है। नवोदित निर्देशक अदनान ए शेख और यासिर जाह फिल्म के निर्देशक हैं। बता दें कि अहान ने 2021 में फिल्म 'तड़प' के जरिए अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिल्म में उनके साथ तारा सुतारिया नजर आई थीं।

'शैतान' का चला बॉक्स ऑफिस पर जादू

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। फिल्म के ट्रेलर के रिलीज के साथ ही लोग फिल्म के रिलीज होने का इंतजार बेसब्री से कर रहे थे। आठ मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म शैतान बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। मूवी के एडवांस बुकिंग को भी तगड़ा रिस्पांस मिला था। बता दें कि विकास बहल की फिल्म शैतान ने रिलीज के पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर कुल 14 ।50 करोड़ की ओपनिंग ली। महाशिवरात्रि के पावन मौके पर इस फिल्म को रिलीज किया गया। पूरी दुनिया में फिल्म को अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म शैतम गुजराती फिल्म की हिंदी रीमेक है, इसके बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। बात करें दूसरे दिन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तो वीकेंड होने की वजह से फिल्म को पहले दिन की तुलना दूसरे दिन यानी शनिवार को ज्यादा प्यार मिला।

'द रेलवे मैन' ने रचा इतिहास

नेटफ्लिक्स की अब तक की सबसे सफल भारतीय सीरीज बनी

यशराज फिल्म्स (YRF) की पहली वेब सीरीज 'द रेलवे मैन' ने दुनियाभर में अपना डंका बजाया और यह दर्शकों का दिल जीतने में सफल रही। भयावह भोपाल गैस त्रासदी को पर्दे पर दर्शाती यह सीरीज रिलीज के बाद से ही वाहवाही बटोर रही है और सितारों के प्रदर्शन को भी सराहा जा रहा है। अब इस सीरीज ने इतिहास रच दिया है और यह नेटफ्लिक्स की अब तक की सबसे सफल भारतीय सीरीज बनकर उभरी है। सच्ची कहानी को पेश करती 'द रेलवे मैन' ने 18 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर दस्तक दी थी। इसे दुनियाभर में काफी पसंद किया गया है तो यह अब 3 महीनों बाद भी दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। दरअसल, सीरीज ने 3 महीनों से वैश्विक सूची में अपनी जगह बनाकर इतिहास रच दिया है। यह वैश्विक स्तर पर तीसरा स्थान हासिल करने के साथ ही भारत की नेटफ्लिक्स पर आई सबसे सफल सीरीज बन गई है। नेटफ्लिक्स इंडिया की उपाध्यक्ष (कंटेंट) मोनिका शेरगिल ने खुशी जताते हुए कहा, ₹यशराज फिल्म्स वर्षों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहा है। इस कहानी के लिए नेटफ्लिक्स और YRF साथ आए थे। रेलवे मेन ने देश में लगातार 100 दिनों तक हमारी शीर्ष 10 सीरीज की सूची में अपनी जगह बनाई रखी है, जो किसी भी भारतीय सीरीज से ज्यादा है।₹ मोनिका का कहना है कि नेटफ्लिक्स और YRF साथ में अच्छी फिल्में और सीरीज बनाने के लिए उत्सुक हैं। यशराज फिल्म्स के CEO अक्षय विधानी ने कहा कि YRF और नेटफ्लिक्स इस उपलब्धि के बाद से काफी रोमांचित हैं। वह कहते हैं, ₹यह हमारे रचनात्मक सहयोग के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। यह उपलब्धि हमें कठिन लक्ष्य निर्धारित करने और साथ में मिलकर इतिहास रचने के लिए प्रेरित करती है। उनका कहना है कि सीरीज को देखकर दर्शकों की जो उनकी भावनात्मक प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं, वो ही उनके लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।

बूंद-बूंद को तरसा बेंगलुरु: 100 किमी दूर से आ रहा पेयजल

एजेंसी | बेंगलुरु

गर्मी शुरू होने से पहले ही कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में पीने के पानी का अकाल नजर आ रहा है। लाखों लोग यहां पीने के साफ पानी की कमी की परेशानी का सामना कर रहे हैं। इसको लेकर सरकार की ओर से सभी प्रयास किए जा रहे हैं। बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि सभी को पानी मुहैया कराने का लगातार प्रयास किया जा रहा है।

भूजल में कमी के कारण हो रही परेशानी

बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) के अध्यक्ष डॉ. वी. राम प्रसाद मनोहर ने कहा कि बेंगलुरु शहर के निवासियों के लिए 2100 एमएलडी पानी की आवश्यकता है। प्रति दिन 1450 पानी पंप किया जा रहा है। अतिरिक्त 110 गांवों में पानी उपलब्ध कराने का काम भी चल रहा है। हमारे भूजल स्तर में भारी गिरावट आई है। उन्होंने कहा, अपार्टमेंट में रहने वाले लोग पहले बोरवेल के पानी पर निर्भर थे, अब वे जल बोर्ड पर निर्भर हैं। 100 किलोमीटर दूर कावेरी नदी का पानी बेंगलुरु आ रहा है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि बेंगलुरु ऐसा करे पीने के पानी की समस्या नहीं है।

कार धोने और बागवानी करने पर देना होगा जुर्माना

साफ पानी की कमी को देखते हुए कर्नाटक सरकार भी सख्त हो गई है। गंभीर जल संकट के बीच, कर्नाटक जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड ने कार धोने, बागवानी, भवन निर्माण, पानी के फव्वारे और सड़क निर्माण और रखरखाव के लिए पीने के पानी के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके साथ ही, स्पष्ट तौर पर कहा है कि आदेश का उल्लंघन करने पर 5000 रुपए का जुर्माना देना पड़ेगा।

सरकार ने बुलाई महत्वपूर्ण बैठक

इस समय शहर गंभीर जल संकट से जूझ रहा है, कर्नाटक सरकार ने इस सप्ताह की शुरुआत में इस मुद्दे के समाधान के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक की। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विधानसभा में कहा कि सरकार अन्य कार्यों की तुलना में सिंचाई और जल प्रबंधन परियोजनाओं को प्राथमिकता देगी। शिवकुमार ने कहा, श्प्राथमिकता सिंचाई परियोजनाओं का विकास और टैंकों को भरना है। सड़क जैसे अन्य कार्य बाद में किए जाएंगे। हम पहले ही मुख्यमंत्री के साथ इस पर चर्चा कर चुके हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

TMC वालों को भतीजे की चिंता: पीएम मोदी

सिलिगुड़ी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार 9 मार्च को असम और अरुणाचल प्रदेश के बाद पश्चिम बंगाल के सिलिगुड़ी पहुंचे। उन्होंने यहां 4,500 करोड़ रुपए के रेल और रोड प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री का पिछले 9 दिनों में पश्चिम बंगाल का ये तीसरा दौरा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए PM ने कहा- टीएमसी वालों को भतीजे (ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी) की चिंता है। वहीं, कांग्रेस वालों को शाही परिवार के बेटे-बेटियों की चिंता है। ये आपकी चिंता क्या करेंगे। इससे पहले PM 6 मार्च को कोलकाता गए थे। यहां उन्होंने देश की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो का उद्घाटन किया था।

देश में समानता के लिए भाईचारा जरूरी: चीफ जस्टिस

बीकानेर। भारत के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि देश में समानता बनाए रखने के लिए भाईचारा बहुत जरूरी है। संविधान की भावना के मुताबिक हमें एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। अगर लोग आपस में लड़ेंगे तो देश तरक्की कैसे करेगा। CJI चंद्रचूड़ बीकानेर के हमारा संविधान, हमारा सम्मान कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

BJP सांसद कुनार हेम्ब्रम का पार्टी से इस्तीफा

झारग्राम। पश्चिम बंगाल के झारग्राम से भाजपा सांसद कुनार हेम्ब्रम ने शनिवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने इस्तीफा देने के पीछे निजी कारणों का हवाला दिया।

भाजपा विधायक फोसुम खिमहून का निधन

ईटानगर। भाजपा विधायक फोसुम खिमहून का शनिवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से ईटानगर के एक अस्पताल में निधन हो गया। 63 वर्ष के फोसुम खिमहुन चांगलांग जिले के चांगलांग दक्षिण के विधायक थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं। फोसुम खिमहून पहली बार साल 2004 में चांगलांग दक्षिण सीट से निर्दलीय विधायक चुने गए थे। साल 2009 में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर विधायकी का चुनाव जीता था।

कर्ज नहीं चुकाया तो बेटे को बना लिया बंधक

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा में एक माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों ने समय पर कर्ज न चुका पाने पर एक महिला के 12 वर्षीय बेटे अनिश कुमार को बंधक बना लिया। इसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने उसे 14 दिनों बाद शुक्रवार शाम को मुक्त कराया। पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के ब्रांच मैनेजर निगम यादव को गिरफ्तार कर किया, जिसे शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन का राजनीति छोड़ने का फैसला

अंकारा। तुर्किये राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन अपनी राजनीतिक सफर पर विराम लगाने जा रहे हैं। दरअसल, उन्होंने शुक्रवार को इस बात के संकेत दिए हैं कि यह उनका आखिरी स्थानीय चुनाव होगा। एर्दोगन ने कहा कि देश में मार्च में होने वाला स्थानीय चुनाव उनका आखिरी चुनाव होगा। मालूम हो कि आधुनिक तुर्की के सबसे सफल राजनेता एर्दोगन ने दो दशकों से अधिक समय तक देश का नेतृत्व किया है। 2002 के बाद से एक दर्जन से अधिक चुनावों के विजेता, एर्दोगन को मई 2023 में बेहद कड़े मुकाबले के दौरान पांच साल के कार्यकाल के लिए फिर से चुना गया। एर्दोगन ने कहा, यह मेरे लिए अंतिम है, कानून द्वारा दिए गए जनादेश के तहत यह मेरा आखिरी चुनाव है।

ड्रग्स तस्करी का 'किंगपिन' जाफर सादिक गिरफ्तार

एजेंसी | नई दिल्ली

एनसीबी ने शनिवार को कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थों की तस्करी की जांच के मामले में तमिलनाडु स्थित नशीले पदार्थों के कथित डीलर जाफर सादिक को गिरफ्तार किया है। तमिल फिल्मों के निर्माता सादिक को हाल ही में सत्तारूढ़ डीएमके ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था। वह डीएमके के एनआरआई विंग के चेन्नई पश्चिम उप आयोजक थे।

कई देशों में फैला नेटवर्क

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने उसे भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच फैले अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का मास्टरमाइंड और किंगपिन करार दिया है। पिछले महीने, संघीय मादक द्रव्य निरोधक एजेंसी ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही, दिल्ली के एक गोदाम की तलाशी में 50 किलोग्राम नशीले पदार्थ बनाने वाला रसायन स्यूडोएफेड्रिन जब्त किया था।

अन्य साथियों की तलाश जारी

एनसीबी तब से सादिक की तलाश कर रही थी और तमिलनाडु में उससे जुड़े परिसरों पर छापेमारी की थी। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ जारी है और उससे जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा रहा है।

इन फिल्मों के निर्माता रहे सादिक

सादिक JSM ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक हैं और वह 5 तमिल फिल्मों के निर्माता रहे हैं। फरवरी, 2024 में आई फिल्म 'मंगई' काफी चर्चा में रही थी, जिसका निर्माण JSM पिक्चर्स के बैनर तले हुआ है। इस फिल्म के गाना तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री, विशेष अधिनियम कार्यान्वयन विभाग, उदयनिधि स्टालिन की पत्नी किरुथिगा उदयनिधि ने जारी किया था। वह 'इंदिरा', 'मायावलाई' और 'इराइवान मिगा पेरियावन' जैसे फिल्मों के भी निर्माता हैं।

पार्टी से भी निष्कासित हो चुके सादिक

सादिक पर लगे आरोपों के बाद उन्हें पिछले महीने पार्टी से भी निकाल दिया गया है। द्रमुक ने सादिक को पार्टी को बदनाम करने वाली गतिविधियों में शामिल होने का हवाला देते हुए निष्कासित किया है। पार्टी की ओर से बयान जारी कर कहा गया था कि पार्टी का कोई भी सदस्य सादिक के संपर्क में नहीं रहना चाहिए। इसके अलावा भाजपा के तमिलनाडु अध्यक्ष ने के अन्नामलाई ने राज्य सरकार से कार्रवाई करने की मांग की थी।

चांद पर फिर से परचम लहराने की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। भारत के चंद्र मिशन चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब चंद्रयान-4 की खूब चर्चा हो रही है। चंद्रयान-4 को लेकर कहां तक प्रगति हुई है, इस बारे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) प्रमुख एस सोमनाथ ने शनिवार को बड़ी जानकारी दी। मदुरै में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि चंद्रयान-4 अभी तक फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, 'कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुलशेखरपट्टनम लॉन्चपैड की आधारशिला रखी और यह काम 2 साल में पूरा हो जाएगा। कुलशेखरपट्टनम से 500 किलोग्राम तक के रॉकेट लॉन्च किए जा सकते हैं।' इस तरह साफ है कि चंद्रयान-4 को लॉन्च करने की तारीख अभी तक फाइनल नहीं पाई है, मगर इस प्रोजेक्ट पर काम जोर-शोर से जारी है।

देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक नए युग की शुरुआत

इसरो चीफ ने जिस लॉन्चपैड का जिक्र किया, पीएम मोदी ने बीते 28 फरवरी को थूथुकुडी जिले के कुलशेखरपट्टनम में उसकी आधारशिला रखी थी। इसका इस्तेमाल खास तौर से छोटे उपग्रह प्रक्षेपण (SSLV) मिशनों को लॉन्च करने के लिए किया जाएगा, ताकि उपग्रहों को पृथ्वी की निचली कक्षा में रखा जा सके। यह देश के अंतरिक्ष शोध प्रयास को भौगोलिक लाभ मुहैया कराएगा। श्रीहरिकोटा का स्पेसपोर्ट पीएसएलवी, जीएसएलवी, एलएमवी-3 और अन्य मिशनों समेत सभी रॉकेट लॉन्च मिशनों के लिए प्राथमिक केंद्र बना रहेगा। शार रेंज में 2 लॉन्च पैड हैं। दूसरा रॉकेट प्रक्षेपण केंद्र लगभग 2,233 एकड़ क्षेत्र में लगभग 950 करोड़ रुपए की लागत से बनेगा। यह देश की अंतरिक्ष अन्वेषण यात्रा में एक नए युग की शुरुआत करेगा।

चंद्रयान-3 से कितना अलग होगा चंद्रयान-4 मिशन?

अगर चंद्रयान-4 की बात करें तो यह पहले के मिशन की तरह नहीं होगा। इस बार चंद्रयान चांद पर जाने के बाद वहां से वापस धरती पर भी आएगा। एक ओर जहां चंद्रयान-3 को सिंगल स्टेज में लॉन्च किया गया था। दूसरी ओर, चंद्रयान-4 को 2 स्टेज में लॉन्च करने की तैयारी है। 2 अलग-अलग लॉन्च चंद्रयान-4 के व्हीकल को आगे बढ़ाएंगे। यह चंद्रमा की सतह से चट्टानों और मिट्टी को लेकर वापस आएगा। बता दें कि पहली बार लॉन्चिंग के वक्त चंद्रयान-4 का वजन 5200 किलोग्राम होगा। चांद से जब ये धरती की ओर लॉन्च होगा तब इसका वजन 1527 किलोग्राम रखा जाएगा, इससे यह आसानी से धरती के ऑर्बिट में दाखिल हो सकेगा।

पीएम मोदी ने लचित बोरफुकन की भव्य प्रतिमा का किया अनावरण

एजेंसी | जोरहाट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के जोरहाट में 'अहोम सेनापति' लचित बोरफुकन की 125 फुट ऊंची प्रतिमा का शनिवार को अनावरण किया। प्रधानमंत्री ने टोक के समीप होलोंगापार में लचित बोरफुकन मैदाम डेवलेपमेंट प्रोजेक्ट में 'स्टैच्यू ऑफ वेलर' (वीरता की प्रतिमा) का अनावरण किया। हेलीकॉप्टर से अरुणाचल प्रदेश से जोरहाट पहुंचे मोदी ने पारपंरिक पोशाक और पगड़ी पहनी हुई थी। उन्होंने प्रतिमा का अनावरण करने के लिए अहोम समुदाय की एक रस्म भी निभायी। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी प्रधानमंत्री के साथ रहे।

कौन थे लचित बोरफुकन: बता दें कि राम वनजी सुतार द्वारा निर्मित इस प्रतिमा की ऊंचाई 84 फुट है और यह 41 फुट के प्लेटफॉर्म पर स्थापित की गई है। इस तरह देखा जाए तो संरचना की कुल उंचाई 125 फुट हो गयी है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने फरवरी 2022 में इस प्रतिमा की नींव रखी थी। लचित बोरफुकन अहोम साम्राज्य (1228-1826) के एक महान सेनापति थे। उन्हें 1671 की 'सरायघाट की लड़ाई' में उनके नेतृत्व के लिए जाना जाता है जिसमें राजा रामसिंह प्रथम के नेतृत्व में असम को वापस हासिल करने के लिए शक्तिशाली मुगल सेना की कोशिशों को नाकाम कर दिया था।

लालू के करीबी सुभाष यादव के ठिकानों से मिले 2 करोड़ कैश

पटना। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के करीबी एवं बिहार के बड़े बालू कारोबारी सुभाष यादव के 8 ठिकानों पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने शनिवार को एक साथ छापेमारी की। सुभाष अवैध बालू खनन के लिए राज्य में कुख्यात कंपनी ब्रॉडसॉन्स लिमिटेड के एक प्रमुख निदेशक हैं। इस कंपनी के सभी निदेशकों पर पहले ही ईडी का शिकंजा कसा जा चुका है। सुभाष यादव और उनके कुछ करीबी रिश्तेदारों से जुड़े इन सभी ठिकानों पर शनिवार सुबह से शुरू हुई यह कार्रवाई देर शाम तक चलती रही। इनमें दानापुर के नारियल घाट स्थित उसका घर के अलावा दानापुर में ही नासरीगंज, शाहपुर, यदुवंशी नगर, मनेर में हल्दी छपरा तथा पटना के गोल रोड, बोरिंग कैनाल रोड स्थित उनका कार्यालय समेत अन्य स्थान शामिल हैं। दानापुर में मौजूद उनके दो घरों से अब

बोफोर्स मामले में जल्द सुनवाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी

दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को दी गई चुनौती

नई दिल्ली। राजनीतिक रूप से संवेदनशील 64 करोड़ रुपए के बोफोर्स रिश्वत कांड में हिंदुजा बंधुओं के खिलाफ लगाए गए आरोप समेत सभी आरोपों को रद्द करने वाले दिल्ली हाईकोर्ट के 2005 के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक अर्जी दाखिल की गई है।अधिवक्ता अजय अग्रवाल की ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया है कि शीर्ष अदालत ने दो नवंबर, 2018 को हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सीबीआई की अर्जी खारिज कर दी थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा था कि जांच एजेंसी उस फैसले के खिलाफ उनके द्वारा दायर अपील में सभी आधार उठा सकती है। अर्जी में कहा गया है, आवेदक द्वारा इस मामले को दायर करने के लगभग 16 साल बीत चुके हैं और इस घोटाले को हुए 35 साल बीत चुके हैं।

पशु चिकित्सा छात्र की मौत की जांच अब करेगी सीबीआई

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

केरल सरकार ने वायनाड में पशु चिकित्सा छात्र की मौत की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। मृतक 20 वर्षीय सिद्धार्थन जेएस के पिता और रिश्तेदार ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन से मुलाकात कर मामला केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंपने की मांग की थी। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि पुलिस जांच जारी है और सभी आरोपियों को दोषरहित और निष्पक्ष जांच के माध्यम से पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि पीड़िता की मां ने भी सीबीआई जांच की मांग करते हुए एक याचिका दायर की है। हालांकि, विजयन ने परिवार को सूचित किया कि उन्होंने उनकी भावनाओं का सम्मान करते हुए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला किया है। दरअसल, विजयन ने पीड़ित मां को आश्वासन दिया था कि जरूरत पड़ने पर मामला सीबीआई को सौंप दिया जाएगा।

पीड़ित के पिता ने की थी CM विजयन से मुलाकात

कमल हासन-स्टालिन आए साथ

एजेंसी | चेन्नई

लोकसभा चुनाव 2024 के आते ही सियासी दांव-पेच शुरू हो गए हैं। अभिनेता कमल हासन के नेतृत्व वाली पार्टी मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) अपनी स्थापना के छह साल बाद शनिवार को तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) नीत गठबंधन में शामिल हो गई। कमल हासन की पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में डीएमके को समर्थन देगी मगर हासन इस चुनाव में अपना कोई उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। लोकसभा चुनाव में अपना समर्थन देने के लिए कमल हासन ने डीएमके से एक शर्त रखी है। अभिनेता से राजनेता बने हासन ने समर्थन के बदले साल 2025 राज्यसभा चुनाव में अपनी पार्टी के लिए राज्यसभा में एक सीट की डिमांड की है।

हासन और स्टालिन की डील पक्की

हासन और सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डीएमके मुख्यालय अन्ना अरिवलयम में इस समझौते को अंतिम रूप दिया। हासन ने समझौता करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने गठबंधन में शामिल होने का कदम किसी पद के लिए नहीं, बल्कि देश की खातिर उठाया। उल्लेखनीय है कि अपनी स्थापना के छह वर्षों में एमएनएम ने दो चुनाव अपने दम पर लड़े मगर सफलता हाथ नहीं लगी। दोनों नेताओं के बीच बनी सहमति के अनुसार, एमएनएम पार्टी तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीट और एकमात्र पुडुचेरी क्षेत्र में प्रचार अभियान संबंधी कार्य करेगी। हासन ने 2018 में अपनी पार्टी का गठन किया था।

दोपहर एंकर

एनआईए ने आम लोगों से संदिग्ध की पहचान करने में सहयोग करने की अपील की

बस स्टॉप पर टहलता दिखा रामेश्वरम ब्लास्ट का संदिग्ध

एनआईए ने वीडियो जारी कर लोगों से मांगी मदद

एजेंसी | बेंगलुरु

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में संदिग्ध के दो वीडियो और तस्वीरें जारी कीं। एजेंसी ने आम लोगों से संदिग्ध की पहचान करने में सहयोग करने की अपील की है। एनआईए द्वारा जारीकी गई 49 सेकंड के वीडियो में संदिग्ध एक सरकारी बस में चढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में वह बस की बीच वाली सीट से उठकर पिछले हिस्से की ओर बढ़ रहा है और दूसरी सीट पर बैठ रहा है।

एनआईए ने फोन नंबर जारी किए

एनआईए ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल से पोस्ट किया, एनआईए रामेश्वरम कैफे विस्फोट से जुड़े संदिग्ध की पहचान करने में नागरिकों का सहयोग चाहती है। किसी भी जानकारी के लिए 08029510900, 8904241100 पर कॉल करें या info lblr lnia@gov lin पर ईमेल करें। आपकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपए नकद इनाम

एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट में संदिग्ध हमलावर के बारे में जानकारी देने वाले को 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। एजेंसी ने कहा कि मुखबिरों की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। बता दें कि बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड इलाके में स्थित कैफे में 1 मार्च को विस्फोट हुआ था। हमले में कई लोग घायल हो गए थे।

दोबारा खुला रामेश्वरम कैफे

शहर के लोकप्रिय रेस्तरां रामेश्वरम कैफे विस्फोट के एक सप्ताह बीत गए हैं। वहीं एक सप्ताह के बाद शुक्रवार को सख्त सुरक्षा के बीच रामेश्वरम कैफे को फिर से खोल दिया गया। इसके साथ ही भविष्य में कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। बतादें कि कैफे में एक सप्ताह पहले हुए विस्फोट में 10 लोग घायल हो गए थे। कैफे को शुक्रवार की शाम 6 बजे फिर से खोला गया, हालांकि जनता के लिए इसे शनिवार को खोला जाएगा। प्रशासन के मुताबिक, ग्राहकों की जांच के लिए कैफे के प्रवेश द्वार पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। कैफे के कर्मचारी यहां आने वाले ग्राहकों की मेटल डिटेक्टर की मदद से जांच करेंगे।